दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सिद्धार्थनगर
रविवार , 26 जुलाई 2026
वर्ष: 13 अंक :224 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

क्या खराब नींद से हाई ब्लड प्रेशर ...8

नीट विवाद का बड़ा असर

धर्मेंद्र प्रधान ने दिया इस्तीफा, युवाओं के नाम लिखा पत्र

नई दिल्ली। नीट परीक्षा विवाद को लेकर चल रहे प्रदर्शन के बाद शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपना इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने देश के युवाओं को एक पत्र से संबोधित किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि मैं पिछले 4 दशकों से अधिक समय से छात्र शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहा हूं। मेरा सदैव विश्वास रहा है कि एक सशक्त समाज, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होती है। एक्स पर उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि जंतर–मंतर और देश भर के हालात का फायदा देश–विरोधी तत्व न उठा सकें, देश एकजुट रहे, और भारत के छात्र कानूनी पेचीदगियों में न फंसें बल्कि अपनी पढ़ाई और करियर पर ध्यान दें, मैंने प्रधानमंत्री को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। सूत्रों ने बताया कि प्रधान ने खुद नैतिक

जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दिया था, उन्हें हटाया नहीं गया था। इससे पता चलता है कि सरकार उन्हें सम्मानजनक विदाई देना चाहती थी। ओडिशा में जन्मे बीजेपी नेता ने सबसे पहले 2021 में शिक्षा मंत्री का पद संभाला था और 2024 के लोकसभा चुनावों में पार्टी की जीत के बाद उन्हें फिर से नियुक्त किया गया था। एग्जाम पेपर लीक की कई घटनाओं के कारण आलोचना झेल रहे प्रधान ने शुरुआत में ही साफ कर दिया कि पद छोड़ना निजी सम्मान का मामला नहीं है। मई में हुआ **NEET-UG** पेपर लीक शायद इस मामले में आखिरी झटका साबित हुआ।

शिक्षा व्यवस्था पर राहुल गांधी की हुंकार

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा पहला कदम, पीएम मोदी अब भी माफी मांगें

नई दिल्ली। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को भारत की शिक्षा व्यवस्था को फिर से बनाने की दिशा में एक प्रतीकात्मक और अहम कदम बताया। साथ ही, उन्होंने छात्रों पर की गई कार्रवाई के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से माफी की मांग की। धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफे की घोषणा की। यह एक दुर्लभ मामला है जब मोदी सरकार के किसी वरिष्ठ मंत्री ने लगातार हो रहे विरोध–प्रदर्शनों और राजनीतिक दबाव के बीच अपने पद से इस्तीफा दिया है। राहुल गांधी ने कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हमारी शिक्षा व्यवस्था को फिर से बनाने की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम है। यह एक प्रतीकात्मक कदम है क्योंकि वे खुद एक प्रतीक थे, लेकिन फिर भी यह एक बड़ा कदम है। मैं हर उस छात्र और युवा को बधाई देना चाहता हूँ जो सड़कों पर उतरे और लोकतंत्र के लिए, देश के भविष्य के लिए और संविधान की रक्षा के लिए लड़े। मुझे आप पर गर्व है। बहुत बढ़िया... मैं सरकार को याद दिलाना चाहता हूँरू अभी भी दो माँगें बाकी हैं। उन्होंने विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने वाले छात्रों और युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि मैं हर उस छात्र और युवा को बधाई देना चाहता हूँ जो सड़कों पर उतरे और लोकतंत्र के लिए लड़े, देश के भविष्य के लिए लड़े और संविधान की रक्षा की। मुझे

आप पर गर्व है। बहुत बढ़िया। गांधी ने कहा कि इस्तीफे से समाज के दूसरे वर्गों को भी एक संदेश गया है। उन्होंने कहा कि यह समाज के दूसरे हिस्सों – किसानों, मजदूरों, गरीबों और उन सभी लोगों के लिए भी एक संकेत है जिन पर यह सरकार हमला कर रही है और उनका दमन कर रही है। डटकर खड़े होने में ही समझदारी और हिम्मत है। आइए, इस सरकार से छुटकारा पाएं – यह सरकार जो भारत पर हमला कर रही है, हमारे संविधान को नष्ट कर रही है और हमारी सभी संस्थाओं पर कब्जा कर रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधान के इस्तीफे के बावजूद दो मांगें अभी भी पूरी होनी बाकी हैं। गांधी ने कहा कि मैं सरकार को याद दिलाना चाहता हूँ कि अभी भी दो मांगें बाकी हैं। पहली और सबसे अहम मांग यह है कि जिन लोगों ने भी हमारे छात्रों पर उंगली उठाई, उन्हें पीटा या उन पर गोली चलाई, उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफा को बसपा मुखिया मायावती ने बताया उचित फैसला, पहले देते तो था बेहतर

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने नीट यूजी को लेकर नई दिल्ली में चल रहे छात्र–छात्राओं के आंदोलन के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफा पर अपनी प्रतिक्रिया दी। मायावती ने इसको लेकर एक्स पर पोस्ट किया। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि देश के छात्र–छात्राओं और युवाओं के आंदोलन के चलते कारण आज केन्द्रीय शिक्षा मन्त्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा देने का फैसला उचित है। उनको यह निर्णय पहले ही ले लेना चाहिए था तो और बेहतर होता। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही हमारी पार्टी केन्द्र सरकार से यह भी अपेक्षा करती है कि पुलिसकर्मियों पर भी एक्शन ले।

पीएम मोदी का बड़ा फैसला: धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मंजूर, प्रह्लाद जोशी बने शिक्षा मंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री की सलाह पर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति ने निर्देश दिया है कि कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद जोशी को उनके मौजूदा विभागों के साथ–साथ शिक्षा मंत्रालय का प्रभार भी सौंपा जाए। आदेश में कहा गया है, ष्प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। साथ ही, प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति ने निर्देश दिया है कि कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद जोशी को उनके मौजूदा विभागों के अलावा शिक्षा मंत्रालय का प्रभार भी सौंपा जाए।ष् इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) ने शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और सरकार द्वारा संगठन की सभी मांगें मान लिए जाने के बाद नीट विवाद को लेकर 36 दिन से जारी अपना आंदोलन समाप्त करने की घोषणा

की। कॉजपा ने कहा कि दोनों पक्ष परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधारों पर काम करने के लिए चार हफ्ते बाद फिर मिलेंगे। कॉजपा प्रवक्ता सौरव घोष ने देशभर में सभी जगहों पर अपना विरोध–प्रदर्शन तत्काल प्रभाव से समाप्त करने की घोषणा करते हुए कहा कि प्रधान के इस्तीफे के अलावा सरकार नीट विवाद को लेकर कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले अभ्यर्थियों के परिवारों को "सम्मानजनक" मुआवजा देने और दिल्ली सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित सभी राज्यों में दर्ज प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी वापस लेने पर भी सहमत हो गई है। दक्षिण–एशियाईऔर प्रवासी

दास ने सरकार के वार्ताकारों केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, "कॉजपा इस आश्वासन और समझ के साथ आंदोलन वापस लेने की घोषणा करती है कि तय शर्तों को निर्धारित समयसीमा के भीतर लागू किया जाएगा।" कॉजपा ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, नीट विवाद के बाद कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले अभ्यर्थियों के परिजन को एक–एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने और 20 मार्च को संगठन के 'संसद चलो' मार्च में शामिल प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी प्राथमिकी को वापस लिए जाने की मांग की थी। कॉजपा ने शनिवार दोपहर शिक्षा मंत्री के पद से प्रधान के इस्तीफे की घोषणा के बाद यहां कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद सीजेपी ने खत्म किया आंदोलन, सरकार से बनी सहमति

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में केंद्रीय मंत्रियों जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह से मुलाकात की और बातचीत का तीसरा दौर पूरा किया। यह मुलाकात नीट–यूजी पेपर लीक को लेकर हो रहे विरोध–प्रदर्शनों के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद हुई है। केंद्रीय मंत्री और सीजेपी डेलिगेशन ने इसके बाद जॉइंट पीसी की। इसके बाद सीजेपी डेलिगेशन ने जंतर–मंतर पर अपना प्रदर्शन खत्म करने का ऐलान कर दिया है। कॉकरोच जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रंका ने कहा कि हमने सरकारी प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत के तीन दौर किए।

जंतर–मंतर पर कई दिनों से चल रहे हमारे विरोध प्रदर्शन की तीन मुख्य मांगें थींरू धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, प्रदर्शनकारियों और आयोजकों के खिलाफ दर्ज सभी कानूनी मामले और FIR वापस ली जाएं, और भविष्य में प्रदर्शनकारियों या आयोजकों के खिलाफ कोई मामला दर्ज न किया जाए। और हमारी तीसरी मांग उन परिवारों के लिए 1 करोड़ रुपये का मुआवजा थी जिन्होंने छम्ज् पेपर न हो पाने के बाद अपने प्रियजनों को खो दिया। अभी कुछ देर पहले ही धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया है। इसका मतलब है कि हमारी पहली मांग मान ली गई है।

मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि हमारी दूसरी मांग यह थी कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी थ्ट वापस ली जाएं – न सिर्फ दिल्ली में, बल्कि बीजेपी शासित और बीजेपी के सहयोगी दलों वाले सभी राज्यों में भी। सरकार ने यह मांग भी मान ली है। साथ ही, थ्ट जल्द ही वापस ले ली जाएंगी। सरकार ने हमें भरोसा दिलाया है कि वह दर्ज सभी थ्ट की कॉपी हमें देगी – हमारी आखिरी जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में 15 से 20 **FIR** दर्ज की गई थीं – और हमें हर हाल में तीन–चार दिनों के अंदर ये कॉपी मिल जाएंगी।

दिल्ली मेट्रो के सभी एंट्री गेट खुले, दिल्लीवासियों को मिली बड़ी राहत

पिछले कुछ दिनों से कई स्टेशनों पर लगी पाबंदियों के बाद, अब पूरे दिल्ली मेट्रो नेटवर्क में एंट्री गेट फिर से खुल गए हैं। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन की ताजा जानकारी के मुताबिक, यात्री अब सभी मेट्रो स्टेशनों पर फिर से आ–जा सकते हैं। यह घटनाक्रम केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की घोषणा के बाद हुआ है। उन्होंने यह फैसला प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर इस्तीफे की मांग को लेकर हो रहे बड़े पैमाने पर विरोध–प्रदर्शनों के बीच लिया। DMRC ने अपनी ताजा सर्विस अपडेट में कहा कि दिल्ली मेट्रो नेटवर्क के सभी मेट्रो स्टेशनों के एंट्री गेट अब खुल गए हैं। इस घोषणा का मतलब है कि पूरे नेटवर्क पर कामकाज सामान्य हो गया है। इससे पहले, सुरक्षा के कड़े इंतजामों की वजह से पिछले कुछ दिनों से

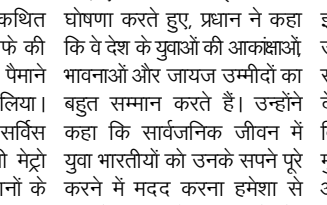

सेंट्रल दिल्ली के कई मेट्रो स्टेशनों पर आने–जाने पर रोक लगी हुई थी। एक्स पर अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए, प्रधान ने कहा कि वे देश के युवाओं की आकांक्षाओं, भावनाओं और जायज उम्मीदों का बहुत सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में युवा भारतीयों को उनके सपने पूरे करने में मदद करना हमेशा से एक नैतिक जिम्मेदारी रही है और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शुक्रिया अदा किया कि उन्होंने उन्हें उनके नेतृत्व में देश की सेवा करने का मौका दिया। प्रधान ने कहा कि वे इस बात को लेकर पक्के इरादे वाले थे कि देश के युवा उलझन में न फंसें। उन्होंने आगे कहा कि जंतर–मंतर और दूसरी जगहों पर बन रहे हालात का देश–विरोधी ताकतें फायदा न उठा सकें, देश की एकता बनी रहे, किसी भी छात्र का भविष्य कानूनी पेचीदगियों में न फंसे और छात्र अपनी पढ़ाई और करियर बनाने पर फिर से ध्यान दे सकें, इन बातों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री को अपना इस्तीफा सौंप दिया। पिछले कुछ दिनों में देश भर के दर्जनों शहरों में फैले ये विरोध प्रदर्शन एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गए थे, जिसमें विपक्ष ने आंदोलन का समर्थन करते हुए सरकार को घेर लिया था। प्रधान के इस्तीफे की घोषणा के बाद जंतर–मंतर पर विरोध प्रदर्शन स्थल पर जश्न का माहौल छा गया।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर केजरीवाल का हमला, बोले– यह छात्रों और लोकतंत्र की बड़ी जीत

नई दिल्ली । केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इसे छात्रों के संघर्ष और लोकतंत्र की जीत बताया। उन्होंने कहा कि लगातार उठ रही आवाजों के आगे सरकार को झुकना पड़ा।

अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर वीडियो संदेश साझा करते हुए धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर देशवासियों और छात्र समुदाय को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह फैसला उन लाखों छात्रों की जीत है, जिन्होंने परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग को लेकर लगातार संघर्ष किया।

केजरीवाल ने अपने संदेश में कहा कि यह केवल छात्रों की नहीं, बल्कि नई पीढ़ी और लोकतांत्रिक मूल्यों की भी जीत है। उन्होंने दावा किया कि छात्रों का शांतिपूर्ण आंदोलन आखिरकार रंग लाया और सरकार को फैसला लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।

गौरतलब है कि नीट–यूजी परीक्षा विवाद को लेकर पिछले कई सप्ताह से देश के विभिन्न हिस्सों में छात्र प्रदर्शन कर रहे थे। विपक्षी दल भी इस मुद्दे पर सरकार से जवाबदेही तय करने की मांग कर रहे थे। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद इस मामले पर राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर लगातार जारी है।

युवाओं के आंदोलन ने सरकार को झुकाया, परीक्षा व्यवस्था मजबूत करने की जरूरत : अखिलेश यादव

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं सांसद अखिलेश यादव ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद इसे युवाओं के आंदोलन की बड़ी सफलता बताया। उन्होंने कहा कि छात्रों की आवाज और देशभर में चले आंदोलन ने सरकार को बड़ा फैसला लेने के लिए मजबूर किया है।

अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार को प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक पूरी व्यवस्था की गंभीर समीक्षा करनी चाहिए। उनका कहना था कि प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त और प्रभावी व्यवस्था लागू करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि इंटरनेट, सोशल मीडिया और सड़कों पर युवाओं के लगातार विरोध ने सरकार पर दबाव बनाया। उनके अनुसार, यह छात्रों और युवाओं की बड़ी जीत है, लेकिन इससे सभी राजनीतिक दलों को भी सीख लेनी चाहिए कि भविष्य में परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाया जाए। सपा प्रमुख ने कहा कि केवल पेपर लीक रोकना ही पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार और नई नौकरियों के अवसर भी बढ़ाने होंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश के भविष्य को ध्यान में रखते हुए शिक्षा और भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्ष, विश्वसनीय और मजबूत बनाना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए

कॉकरोच से पंगा न लें, धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर बोले अभिजीत दिपके, झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष अभिजीत दिपके ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया है। और यह इस्तीफा इस बात का सबूत है कि अगर आप लोग डरते नहीं हैं, अगर आप लोग इस सरकार के सामने झुकते नहीं हैं, तो हम किसी का भी इस्तीफा ले सकते हैं। दिपके ने कहा कि डरने की कोई जरूरत नहीं है। यह लोकतंत्र है। उन्होंने इस्तीफा दे दिया है, लेकिन हमारी दो और मांगें हैं। हम ऐसे ही नहीं जाएंगे। धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया है। लेकिन जिन बच्चों ने आत्महत्या की, उनके परिवारों को एक करोड़ रुपये का मुआवजा मिलना चाहिए। उन्हें यह मिलना चाहिए। दिपके ने कहा कि उन सभी परिवारों को एक करोड़ रुपये का मुआवजा। और दूसरी बात, 20 तारीख को जिन

पुलिस वालों ने गुंडों जैसा बर्ताव किया, उन पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। याद रखें, कॉकरोच से पंगा न लें। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा देने के बाद समर्थकों को उत्साहपूर्वक संबोधित करते हुए अभिजीत दिपके ने कहा कि झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर नयी दिल्ली के जंतर मंतर समेत देशभर में जारी छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजा।

प्रधान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि उन्होंने अपना त्यागपत्र प्रधानमंत्री को भेज दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 दिन का घटनाक्रम देखकर मेरा मन दुखी है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय नहीं है। प्रधान ने कहा कि उन्होंने पहले दिन से ही जिम्मेदारी ली है और इस परिस्थिति से कभी मुंह नहीं मोड़ा।

मणिपुर हिंसा मामलों में सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर हिंसा से जुड़े मामलों में शीघ्र न्याय सुनिश्चित करने के लिए विशेष अदालतों के गठन का सुझाव दिया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि 2023 की हिंसा से संबंधित मामलों की प्रतिदिन सुनवाई होनी चाहिए, ताकि पीड़ितों को जल्द न्याय मिल सके।

इसके साथ ही अदालत ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और विशेष जांच दल (एसआईटी) को लंबित मामलों की जांच में तेजी लाने तथा सभी मामलों की अद्यतन स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

सीएचसी शोहरतगढ़ की ओपीडी में बढ़ी मरीजों की संख्या

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव के बीच वायरल बुखार, सर्दी–खांसी और दस्त के मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। इसका असर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) शोहरतगढ़ की ओपीडी में साफ दिखाई दे रहा है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। सीएचसी शोहरतगढ़ में तैनात चिकित्सा अधिकारी डॉ. राकेश कुमार मौर्य ने शनिवार को बताया कि उनकी ओपीडी में प्रतिदिन लगभग 150 नए मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं, जबकि करीब 100 पुराने मरीज फॉलोअप जांच के लिए आते हैं। इस प्रकार अकेले उनकी ओपीडी में प्रतिदिन औसतन 250 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि इन दिनों सर्दी, खांसी, बुखार और दस्त के मरीजों की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में काफी अधिक है। अधिकांश मरीज वायरल फीवर से पीड़ित हैं, जो मौसम में बदलाव के कारण तेजी से फैल रहा है। डॉ. मौर्य ने लोगों से अपील की कि वायरल संक्रमण से बचाव के लिए स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, संतुलित एवं पौष्टिक आहार लें, भीड़–भाड़ वाले स्थानों पर आवश्यक सावधानी बरतें तथा बुखार या अन्य लक्षण दिखाई देने पर स्वयं दवा लेने के बजाय चिकित्सक से परामर्श लें। उन्होंने बताया कि समय पर जांच और उचित उपचार से अधिकांश वायरल संक्रमण कुछ दिनों में ठीक हो जाते हैं। पर्याप्त आराम, स्वच्छ पेयजल और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों का सेवन भी बचाव में सहायक है। सीएचसी में तैनात अन्य चिकित्सकों डॉ. एस.के. भारती और डॉ. अर्जुन यादव की ओपीडी में भी मरीजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार मौसम जनित बीमारियों के बढ़ते मामलों को देखते हुए मरीजों को समय पर उपचार और आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

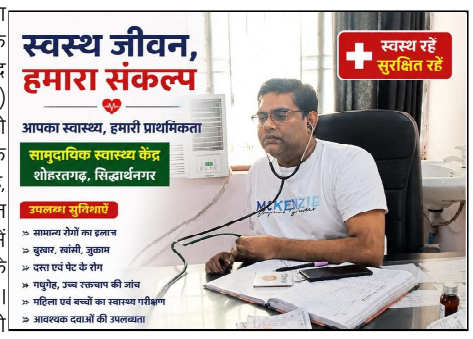

बुजुर्गों के बीच पहुंची शोहरतगढ़ पुलिस, योजनाओं की दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शनिवार को थाना शोहरतगढ़ की कम्यूनिटी पुलिसिंग यूनिट (सीपीयू) ने क्षेत्र के पकड़ी गांव में पहुंचकर 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों से मुलाकात की। इस दौरान पुलिस टीम ने उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए हरसंभव पुलिस सहायता का भरोसा दिलाया। पुलिस टीम ने बुजुर्गों से उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं दैनिक जीवन से जुड़ी समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। साथ ही किसी भी आपात स्थिति या परेशानी की दशा में तत्काल पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया। भ्रमण के दौरान किसी भी बुजुर्ग अथवा दिव्यांग ने किसी प्रकार की शिकायत नहीं की। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को सामाजिक सुरक्षा एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही कानून–व्यवस्था बनाए रखने, साइबर अपराधों से सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि या आपात स्थिति की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई। पुलिस टीम ने ग्रामीणों को सीपीयू प्रभारी का मोबाइल नंबर भी उपलब्ध कराया, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तुरंत सहायता प्राप्त की जा सके। ग्रामीणों ने पुलिस के इस जनसंपर्क एवं जागरूकता अभियान की सराहना करते हुए पुलिस के प्रति विश्वास एवं सहयोग की भावना व्यक्त की। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाने की अपेक्षा जताई। इस अवसर पर निरीक्षक अवधेश पांडेय, हेड कांस्टेबल मदन राय, कांस्टेबल राजकुमार, महिला कांस्टेबल रूबी दूबे सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

दहेज को लेकर पीटने का आरोप लगाया

जौनपुर। मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के सारांवा गांव निवासी विवाहिता गर्भवती महिला ने ससुराल वालों पर दहेज को लेकर मारने पीटने का आरोप लगाया है। इस मामले को लेकर पुलिस केस दर्ज कर जांच में जुट गई है। सारांवा गांव निवासी महिला सीमा देवी ने थाने में तहरीर देकर ससुराल वालों पर आरोप लगाते हुए बताया कि बीते 22 जुलाई को उसके पति, नन्द, ससुर और देवर ने मायके से पांच लाख रूपये और गहने लाने के लिए बोल दिया। महिला का आरोप है कि जब उसने समझाने का प्रयास किया तो वह लोग उसे मारने पीटने लगें, जिससे उसकी आंख और कान में गंभीर चोटें आई। पीड़िता महिला सीमा की शादी करीब चार साल पहले हुई थी। उसकी एक तीन साल की बेटी और दस महीने का बेटा भी है। महिला छह माह की गर्भवती भी है।

सांसद ने लगवाई दो हाई मास्क लाइटें

जौनपुर। स्थानीय सांसद बाबू सिंह कुशवाहा के प्रयासों से शहर के दो प्रमुख इलाकों को अंधेरे से मुक्ति मिल गई है। तारापुर कॉलोनी और हजरत हमजा चिश्ती स्थित कब्रिस्तान में हाई मास्क लाइटें लगने से स्थानीय नागरिकों और सामाजिक कमेटियों में हर्ष का माहौल है।तारापुर कॉलोनी में सेक्रेटरी ताज मोहम्मद का प्रयास रंग लायातारापुर कॉलोनी स्थित दरगाह हजरत अब्दुल रहीम शाह   काफी समय से पर्याप्त रोशनी न होने के कारण लोग परेशान थे। सेक्रेटरी ताज मोहम्मद के विशेष और निरंतर प्रयासों के बाद सांसद निधि से यहाँ भव्य हाई मास्क लाइट लगवाई गई है। लाइट चालू होने से अब पूरी गली और दरगाह परिसर रोशनी से सराबोर हो गया है।   इस जनहित कार्य के लिए पूरी क्षेत्र की जनता ने सांसद और उनके सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

सड़क हादसों पर अंकुश लगाने को लेकर सीओ ने समीक्षा बैठक

प्रभावी चेकिंग और यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराने के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

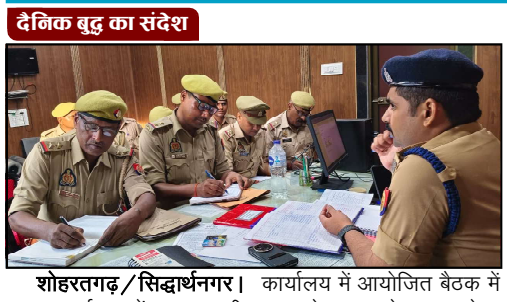

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने और यातायात नियमों का शत–प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से शनिवार को क्षेत्राधिकारी (सीओ) शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी ने सर्किल के सभी थानों पर गठित सीसी टीमों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। क्षेत्राधिकारी कार्यालय में आयोजित बैठक में थाना शोहरतगढ़, ढेबरुआ, कठेला समय माता एवं चिल्हिया की सीसी टीमों के प्रभारी एवं पुलिसकर्मी मौजूद रहे। बैठक के दौरान क्षेत्र में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर चलाए जा रहे अभियानों की समीक्षा की गई तथा दुर्घटना नियंत्रण के लिए प्रभावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। सीओ मयंक द्विवेदी ने सभी टीमों को उच्चाधिकारियों के निर्देशों का शत–प्रतिशत पालन करते हुए सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाने, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने तथा सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी सीसी टीमें अपने–अपने थाना क्षेत्रों में लगातार सतर्कता एवं सजगता के साथ कार्य करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित हो। साथ ही अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की हिदायत दी गई।

वरिष्ठ समाजसेवी मनीष मिश्रा ने 100 युवाओं को दिया रोजगार, अब 1,000 युवाओं को रोजगार दिलाने का संकल्प

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। जनपद के युवाओं को रोजगार से जोड़ने की दिशा में वरिष्ठ समाजसेवी मनीष मिश्रा ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 100 युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया है। इस उपलब्धि के बाद उन्होंने अब बस्ती के करीब 1,000 युवाओं को रोजगार दिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उनका कहना है कि युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना ही उनकी प्राथमिकता है। मनीष मिश्रा ने बताया कि रोजगार की तलाश में युवाओं को दर–दर भटकने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। इसी सोच के साथ वह लगातार विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों और कंपनियों से संपर्क कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि असम और अरुणाचल प्रदेश की कई स्टील फैक्ट्रियों में उनके विश्वसनीय सहयोगी कार्यरत हैं, जहां बस्ती के करीब 1,000 युवाओं को रोजगार दिलाने की तैयारी की जा रही है। इन युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार 20,000 से 30,000 प्रतिमाह तक वेतन मिलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि रोजगार मिलने से न केवल युवाओं का भविष्य सुरक्षित होगा, बल्कि उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार मिलने से जिले की आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय स्तर पर विकास की नई संभावनाएं भी पैदा होंगी। मनीष मिश्रा ने कहा कि उनका सपना बस्ती को ष्बेस से स्पेस तकष् ले जाने का है। उनका विश्वास है कि यदि युवाओं की प्रतिभा, ऊर्जा और मेहनत को सही दिशा मिले तो बस्ती देश के अग्रणी जनपदों में अपनी पहचान बना सकता है। उन्होंने कहा कि रोजगार, शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना ही वास्तविक सामाजिक सेवा है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने के लिए अपने कौशल का विकास करें और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए उनका अभियान लगातार जारी रहेगा। 100 युवाओं को रोजगार दिलाने के बाद अब 1,000 युवाओं को रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य बस्ती के लिए नई उम्मीद बनकर उभरा है। यदि यह पहल सफल होती है तो हजारों परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, पलायन में कमी आएगी और जनपद आत्मनिर्भरता व विकास की दिशा में एक नई पहचान स्थापित करेगा। मनीष मिश्रा की यह पहल जिले के युवाओं के लिए प्रेरणादायी मानी जा रही है। इस अवसर पर मुख्य रूप से संजय मिश्रा, ओम जी पांडेय, जीडी मिश्रा, अमित चौबे, आलोक पांडेय, अंजनी पाठक, विमल पांडेय, राकेश राजभर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बभनान में भाजपा नेताओं ने कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही का किया भव्य स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बभनान, बस्ती। उत्तर प्रदेश सरकार के .षि मंत्री एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भाजपा सूर्य प्रताप शाही जनपद गोंडा का दौड़ा कर बभनान से गोरखपुर जाते समय आदर्श नगर पंचायत बभनान में भाजपा किसान मोर्चा क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष व नवनियुक्त जिला कोषाध्यक्ष राधेश्याम कमलापुरी व भाजपा मंडल अध्यक्ष गौर राजेश कमलापुरी ने किया स्वागत और क्षेत्रीय जन समस्याओं पर चर्चा किया। इस मौके पर इंद्रदेव कमलापुरी, धनश्याम गुप्ता अंकित जायसवाल अमित कमलापुरी सहित भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन नोटिस

मण्डल रेल प्रबन्धक (वा०), पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु आईआरईपीएस के ई–ऑक्शनिंग के माध्यम से ई–ऑक्शन आमंत्रित की जाती है :– **क्र० सं० : 01,** ई–ऑक्शन नोटिस सं.– LJN-PRKG-26-26, लॉट सं० : PARKING-LJN-GTNR-PCCV-142-26-1 (Parking-Passenger Carrying Commercial Vehicles), **कार्य का विवरण** : गोमतीनगर स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार सर्कुलेटिंग एरिया स्थित पीसीसीवी पार्किंग (ऑटो, टैक्सी ई–रिक्शा) कम संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया) का ठेका 06 माह हेतु। ई–ऑक्शन आरम्भ दिनांक/समय – 06-08-2026, 12.00 hrs., ई–ऑक्शन बन्द दिनांक/समय – 06-08-2026, 12.30 hrs., **क्र० सं० : 02,** ई–ऑक्शन नोटिस सं.– LJN-PRKG-27-26, लॉट सं० : PARKING-LJN-GKP-PCCV-161-26-2 (Parking-Passenger Carrying Commercial Vehicles), **कार्य का विवरण** : गोरखपुर जं० स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार सर्कुलेटिंग एरिया के गेट सं० 01 एवं 02 के बीच स्थित पीसीसीवी पार्किंग (ऑटो, टैक्सी ई–रिक्शा) कम संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया) का ठेका 06 माह हेतु। ई–ऑक्शन आरम्भ दिनांक/समय – 10-08-2026, 12.00 hrs., ई–ऑक्शन बन्द दिनांक/समय – 10-08-2026, 12.30 hrs., ● निविदाकार प्रकाशित सूचना के अनुसार ई–ऑक्शन में भाग ले सकते है। ireps पोर्टल पर दिये गये तिथि/ समय के अनुसार सभी लॉट की ई–ऑक्शन प्रारम्भ एवं बंद होंगी। ● इस ऑक्शन के लिये मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। ● अर्नेस्ट मनी की राशि (10%) का भुगतान केवल IREPS पोर्टल पर ठेकेदार द्वारा लिंक किये गये बैंक खाते से किया जायेगा। मैनुअल विधि जैसे– डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, एफडीआर, जमा रसीद आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं होगी। ● विज्ञप्ति सूचना एवं निविदा प्रपत्र प्रारूप तथा, नियम व शर्तों की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाईट **www.ireps.gov.in (E-Auction module)** पर उपलब्ध है।

सहायक वाणिज्य प्रबन्धक, लखनऊ

मुजाधि/वा०–93

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

शिक्षामित्रों ने समस्याओं के समाधान को मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ ने शिक्षामित्रों की लंबित समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी गौरव श्रीवास्तव को सौंपा। संघ ने मूल विद्यालय वापसी, टीईटी उत्तीर्ण शिक्षामित्रों के समायोजन समेत पांच सूत्री मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की। जिलाध्यक्ष इंद्रजीत यादव ने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों में 26 वर्षों से कार्यरत शिक्षामित्रों की समस्याओं के समाधान के लिए शासन स्तर पर आदेश जारी हुए हैं, लेकिन कई जनपदों में अब तक उनका पालन नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि तीन जनवरी 2025 के शासनादेश के बावजूद मूल विद्यालय वापसी और महिला शिक्षामित्रों का पति के निवास स्थान के निकट स्थानांतरण कई जिलों में लंबित है, जिससे शिक्षामित्रों को प्रतिदिन 80 से 90 किलोमीटर तक की दूरी तय करनी पड़ रही है। ज्ञापन में बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों के लिए विशेष टीईटी परीक्षा आयोजित कर शिक्षामित्रों को अवसर देने, टीईटी एवं एनसीटीई की अर्हता पूरी करने वाले लगभग 60 हजार शिक्षामित्रों को सुपरटेट से छूट देकर शिक्षक पद पर समायोजित करने, 11 माह के बजाय 12 माह का मानदेय देने तथा सेवानिवृत्ति आयु 60 से बढ़ाकर 62 वर्ष करने की मांग की गई। जिला महामंत्री यशवंत सिंह ने आकस्मिक निधन होने पर शिक्षामित्र के परिवार को आर्थिक सहायता तथा एक आश्रित को योग्यता के अनुसार नौकरी देने की भी मांग उठाई। उन्होंने मुख्यमंत्री से इन मांगों के संबंध में आवश्यक निर्देश जारी करने की अपील की। इस अवसर पर जिला संरक्षक श्याम नारायण त्रिपाठी, अशोक मिश्रा, उपेंद्र सिंह, धर्मेंद्र त्रिपाठी, सुनील मिश्रा, यूनुस खान, अनुपमा द्विवेदी, घनश्याम पांडेय, अखिलेश त्रिपाठी, लवकुश, मुक्तनाथ सहित बड़ी संख्या में शिक्षामित्र उपस्थित रहे।

रक्तदान महादान: प्रो. डॉ. नवीन सिंह ने किया 37वाँ स्वैच्छिक रक्तदान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। परम आदरणीय एवं श्रद्धेय स्वर्गीय विष्णु दत्त ओझा की 15वीं पुण्यतिथि के पावन अवसर पर आचार्य रामचंद्र शुक्ल पुस्तकालय परिसर (टाउन क्लब, गांधीनगर, बस्ती) में वैदिक यज्ञ, विचार गोष्ठी एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक, शैक्षिक एवं धार्मिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने सहभागिता कर स्व. ओझा जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर इंडियन योग एसोसिएशन उत्तर प्रदेश चौप्टर, पूर्वी जोन के अध्यक्ष प्रो. डॉ. नवीन सिंह ने अपने जीवन का 37वाँ स्वैच्छिक रक्तदान कर मानवता की सेवा का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने का सबसे बड़ा माध्यम है और प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। प्रो. डॉ. नवीन सिंह ने कहा कि रक्तदान केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानव सेवा का सर्वोच्च कार्य है। एक यूनिट रक्त कई मरीजों के जीवन को बचाने में सहायक सिद्ध हो सकता है। उन्होंने बताया कि नियमित रक्तदान से रक्तदाता के स्वास्थ्य की जांच भी होती रहती है तथा शरीर में नए रक्त कोशिकाओं के निर्माण की प्रक्रिया को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने स्वर्गीय विष्णु दत्त ओझा के सेवा, समर्पण, निष्ठा एवं मानवता के आदर्शों को स्मरण करते हुए कहा कि समाज को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर अधिक से अधिक लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान अभियान से जोड़ना चाहिए। इससे न केवल जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध होगा, बल्कि समाज में सेवा और परोपकार की भावना भी सुदृढ़ होगी। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जन–जागरूकता फैलाने तथा अधिकाधिक लोगों को इस महाअभियान से जोड़ने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि ष्रक्तदान महादान है, क्योंकि आपका एक छोटा–सा प्रयास किसी व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है।ष

अपार आईडी सृजन में लापरवाही पर 13 विद्यालयों को अंतिम चेतावनी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। ब्लॉक संसाधन केंद्र (बीआरसी) शोहरतगढ़ क्षेत्र के उन विद्यालयों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है, जहां नामांकित छात्र–छात्राओं के सापेक्ष अपार (।च।।त) आईडी का सृजन अत्यंत धीमी गति से किया जा रहा है। खंड शिक्षा अधिकारी शोहरतगढ़ संजय कुमार ने ऐसे विद्यालयों को अंतिम चेतावनी जारी करते हुए समय रहते कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। ब्लॉक संसाधन कार्यालय द्वारा जारी नोटिस के अनुसार 25 जुलाई 2026 को की गई समीक्षा में पाया गया कि कई विद्यालय विभागीय निर्देशों के अनुरूप अपार आईडी सृजन का कार्य नहीं कर पाए हैं, जिसके कारण बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं अब भी अपार आईडी से वंचित हैं। जिन विद्यालयों की प्रगति असंतोषजनक पाई गई उनमें उदय प्रताप इंटर कॉलेज गोपालगंज खुरहुरिया, सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज

कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर

पत्रांक: अपार-नोटिस /1009-10 / 2026-2027 / दिनांक 25/07/2026

प्रबन्धक/प्रधानाध्यापक

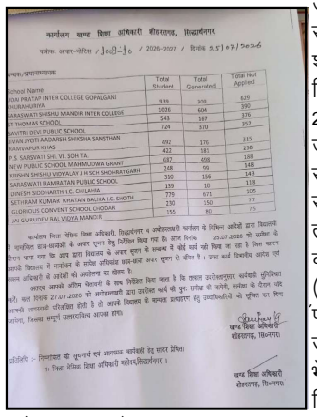

School Name	Total Student	Total Generated	Total Not Applied
UDAI PRATAP INTER COLLEGE GOPALGANJ KHURAHURIYA	939	309	629
SARASWATI SHISHU MANDIR INTER COLLEGE	1026	604	390
ST THOMAS SCHOOL	543	167	376
SAVITRI DEVI PUBLIC SCHOOL	724	370	352
JIVAN JYOTI AADARSH SHIKSHA SANSTHAN RAMVAPUR KHAS	492	176	315
P.S. SARSVATI SHI. VI. SOH TA.	422	181	238
NEW PUBLIC SCHOOL MAHMUDWA GRANT	687	498	188
KRISHN SHISHU VIDYALAY J H SCH SHOHRATGARH	248	99	148
SARASWATI RAMRATAN PUBLIC SCHOOL	310	156	143
DINESH SIDDHARTH I.C. CHILAHIA	139	10	118
SETHRAM KUMAR KHATAN BALIKA I.C. SHOTH	779	671	105
GLORIOUS CONVENT SCHOOL CHODAR	230	150	77
JAI GURUDEV BAL VIDYA MANDIR	155	80	75

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सिद्धार्थनगर व अधोहस्ताक्षरी कार्यालय के विभिन्न आदेशों द्वारा विद्यालयों में नामांकित छात्र-छात्राओं के अपार सृजन हेतु निर्देशित किया गया है। आज दिनांक 25.07.2026 को समीक्षा के दौरान पाया गया कि आप द्वारा विद्यालय के अपार सृजन के सम्बन्ध में कोई कार्य नही किया जा रहा है जिस कारण आपके विद्यालय में नामांकन के सापेक्ष अधिकांश छात्र-छात्रा अपार सृजन से वंचित है। उक्त कार्य विभागीय आदेश एवं सक्षम अधिकारी के आदेशों की अवहेलना का द्योतक है।

अतएव आपको अंतिम चेतावनी के साथ निर्देशित किया जाता है कि तत्काल उपरोक्तानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करें। कल दिनांक 27.07.2026 को अधोहस्ताक्षरी द्वारा उपरोक्त कार्य की पुनः समीक्षा की जायेगी, समीक्षा के दौरान यदि आपकी लापरवाही परिलक्षित होती है तो आपके विद्यालय के मान्यता प्रत्याहरण हेतु उच्चाधिकारियों को सूचित कर दिया जायेगा, जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा।

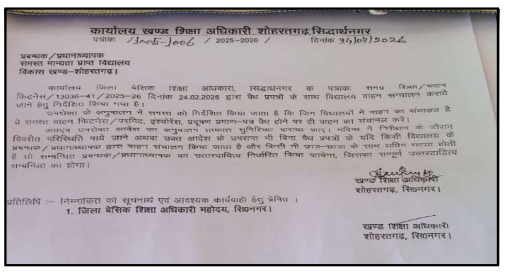

खण्ड शिक्षा अधिकारी
शोहरतगढ़, सि०नगर।

प्रतिलिपि :- निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु सादर प्रेषित।
1. जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय, सिद्धार्थनगर।

खण्ड शिक्षा अधिकारी
शोहरतगढ़, सि०नगर।

शोहरतगढ़, सेंट थॉमस स्कूल शोहरतगढ़, सावित्री देवी पब्लिक स्कूल गौहनिया, जीवन ज्योति आदर्श शिक्षा संस्थान रमवापुर खास, न्यू पब्लिक स्कूल महमुदवा ग्रांट, कृष्ण शिशु विद्यालय जूनियर हाई स्कूल शोहरतगढ़, सरस्वती रामरतन पब्लिक स्कूल, दिनेश सिद्धार्थ इंटर कॉलेज चिल्हिया, सेठ राम कुमार खातान बालिका इंटर कॉलेज शोहरतगढ़, ग्लोरियस कॉन्वेंट स्कूल चोड़ार, जय गुरुदेव बाल विद्या मंदिर सहित कुल 13 विद्यालय शामिल हैं। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि 27 जुलाई 2026 को पुनः समीक्षा की जाएगी। यदि उस समय भी संबंधित विद्यालयों की प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई तो उनके विरुद्ध विद्यालय की मान्यता प्रत्याहरण (टमबवहदपजपवद 'पजीकतूंस) की कार्रवाई हेतु उच्चाधिकारियों को संस्तुति भेजी जाएगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित विद्यालय प्रबंधन की होगी। खंड शिक्षा अधिकारी संजय कुमार ने सभी प्रधानाध्यापकों एवं विद्यालय प्रबंधकों को निर्देशित किया है कि वे अपार आईडी सृजन का कार्य तत्काल पूर्ण कराते हुए विभागीय आदेशों का शत–प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करें।

बीईओ का सख्त निर्देश: बिना अनुमोदन शिक्षक नहीं पढ़ाएंगे, टीसी पर नहीं होगा काउंटर साइन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ/सिद्धार्थनगर। ब्लॉक संसाधन केंद्र (बीआरसी) शोहरतगढ़ क्षेत्र के सभी मान्यता प्राप्त विद्यालयों के प्रबंधकों एवं प्रधानाध्यापकों के लिए खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) संजय कुमार ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि विद्यालयों में केवल अनुमोदित प्रधानाध्यापक एवं सहायक अध्यापक ही शिक्षण कार्य करेंगे। बिना विभागीय अनुमोदन के किसी भी शिक्षक को

कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी शोहरतगढ़,सिद्धार्थनगर

पत्रांक: /1005-1006 / 2025-2026 / दिनांक 24/07/2026

प्रबन्धक/प्रधानाध्यापक
समस्त मान्यता प्राप्त विद्यालय
विकास खण्ड–शोहरतगढ़।

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सिद्धार्थनगर के पृ०सं०/बेसिक–02/798–805/2026–27 दिनांक 05.07.2025 व दिनांक 04 मई 2026, पत्रांक/बेसिक–02/5503–08/2025–26 दिनांक पृ०सं०/बेसिक–02/3305–12/2026–27 दिनांक 20.07.2026 द्वारा विकास खण्ड शोहरतगढ़ अन्तर्गत समस्त मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अनुमोदित सहायक अध्यापक व प्रधानाध्यापक द्वारा विद्यालय संचालन तथा अनुमोदन के उपरान्त ही टी०सी० काउण्टर साइन हेतु निर्देशित किया गया है

उपरोक्त के अनुपालन में समस्त को निर्देशित किया जाता है कि विद्यालय में कार्यरत समस्त सहायक अध्यापक/प्रधानाध्यापक को अनुमोदन के उपरान्त ही शिक्षण कार्य में सम्मिलित किया जाए तथा अनुमोदन के उपरान्त ही टी०सी० काउण्टर साइन अभिलेख के साथ अनुमोदन की छायाप्रति अनिवार्य रूप से संलग्न करें। बिना अनुमोदन के किसी भी छात्र–छात्रा के काउण्टर साइन अभिलेख पर अग्रसारण नही किया जायेगा।

अतएव उपरोक्त आदेश का अनुपालन तत्काल सुनिश्चित कराया जाए। भविष्य में निरीक्षण के दौरान विपरीत परिस्थिति पाये जाने पर सम्बन्धित प्रबन्धक का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जायेगा, जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व सम्बन्धित का होगा।

खण्ड शिक्षा अधिकारी
शोहरतगढ़, सि०नगर।

प्रतिलिपि :– निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित ।
1. जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय, सि०नगर।

खण्ड शिक्षा अधिकारी
शोहरतगढ़, सि०नगर।

विद्यालय संचालन अथवा शिक्षण कार्य में शामिल नहीं किया जाएगा। बीआरसी कार्यालय से जारी पत्रांक 1005–1006/2025–26 के अनुसार यह निर्देश जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सिद्धार्थनगर द्वारा पूर्व में जारी आदेशों के अनुपालन में जारी किया गया है। आदेश में कहा गया है कि किसी भी छात्र–छात्रा के स्थानांतरण प्रमाण–पत्र (टीसी) पर काउंटर साइन कराने के लिए संबंधित शिक्षक/प्रधानाध्यापक के अनुमोदन की छायाप्रति अभिलेखों के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करनी होगी। बिना अनुमोदन के टीसी काउंटर साइन संबंधी कोई भी प्रकरण अग्रसारित नहीं किया जाएगा। बीईओ संजय कुमार ने सभी विद्यालयों को निर्देशित किया है कि वे तत्काल प्रभाव से आदेश का शत–प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में निरीक्षण के दौरान यदि किसी विद्यालय में बिना अनुमोदन के शिक्षक कार्यरत पाए गए या विभागीय आदेशों का उल्लंघन मिला, तो संबंधित विद्यालय के प्रबंधक की जिम्मेदारी तय करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश ब्लॉक संसाधन केंद्र शोहरतगढ़ क्षेत्र के सभी मान्यता प्राप्त विद्यालयों पर तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

बिना वैध फिटनेस, परमिट और बीमा के स्कूल वाहन चलाने पर होगी कार्रवाई: बीईओ संजय कुमार

दैनिक बुद्ध का संदेश

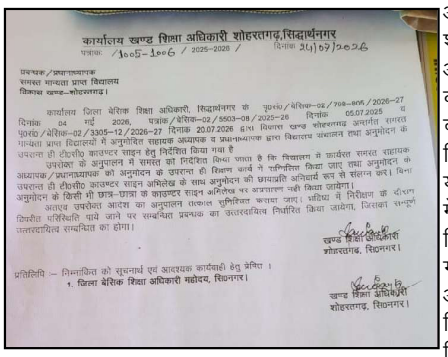

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। ब्लॉक संसाधन केंद्र (बीआरसी) शोहरतगढ़ क्षेत्र के सभी मान्यता प्राप्त विद्यालयों के प्रबंधकों एवं

कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी शोहरतगढ़,सिद्धार्थनगर

पत्रांक: /1005-1006 / 2025–2026 / दिनांक 24/07/2026

प्रबन्धक/प्रधानाध्यापक
समस्त मान्यता प्राप्त विद्यालय
विकास खण्ड–शोहरतगढ़।

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सिद्धार्थनगर के पत्रांक: समग्र शिक्षा/वाहन फिटनेस/13036–41/2025–26 दिनांक 24.02.2026 द्वारा वैध प्रपत्रों के साथ विद्यालय वाहन सन्चालन कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

उपरोक्त के अनुपालन में समस्त को निर्देशित किया जाता है कि जिन विद्यालयों में वाहन का संचालन है वे समस्त वाहन फिटनेस/परमिट, इंश्योरेंश, प्रदूषण प्रमाण–पत्र वैध होने पर ही वाहन का संचालन करें।

अतएव उपरोक्त आदेश का अनुपालन तत्काल सुनिश्चित कराया जाए। भविष्य में निरीक्षण के दौरान विपरीत परिस्थिति पाये जाने अथवा उक्त आदेश के उपरान्त भी बिना वैध प्रपत्रों के यदि किसी विद्यालय के प्रबन्धक/प्रधानाध्यापक द्वारा वाहन संचालन किया जाता है और किसी भी छात्र–छात्रा के साथ अप्रिय घटना होती है तो सम्बन्धित प्रबन्धक/प्रधानाध्यापक का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जायेगा, जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व सम्बन्धित का होगा।

खण्ड शिक्षा अधिकारी
शोहरतगढ़, सि०नगर।

प्रतिलिपि :– निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित ।
1. जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय, सि०नगर।

खण्ड शिक्षा अधिकारी
शोहरतगढ़, सि०नगर।

प्रधानाध्यापकों को विद्यालयी वाहनों के सुरक्षित संचालन के संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) संजय कुमार ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि केवल उन्हीं स्कूल वाहनों का संचालन किया जाए जिनके फिटनेस प्रमाण–पत्र, परमिट, बीमा (इंश्योरेंस) तथा प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण–पत्र (पीयूसी) पूरी तरह वैध हों। यह निर्देश जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सिद्धार्थनगर के पत्रांक समग्र शिक्षा/वाहन फिटनेस/13036–41/2025–26, दिनांक 24 फरवरी 2026 के अनुपालन में जारी किया गया है। बीईओ संजय कुमार ने कहा कि भविष्य में यदि किसी निरीक्षण के दौरान कोई विद्यालय बिना वैध दस्तावेजों के वाहन संचालित करता पाया जाता है अथवा ऐसे वाहन से किसी छात्र–छात्रा के साथ कोई अप्रिय घटना घटित होती है, तो संबंधित विद्यालय के प्रबंधक एवं प्रधानाध्यापक की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जाएगी। ऐसी स्थिति में समस्त उत्तरदायित्व संबंधित विद्यालय प्रशासन का होगा। उन्होंने सभी विद्यालयों को निर्देशित किया है कि वे तत्काल अपने विद्यालयी वाहनों के समस्त आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन कराते हुए विभागीय निर्देशों का शत–प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करें, ताकि विद्यार्थियों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता न हो।

सेवानिवृत्त शिक्षक परिषद की बैठक, पेंशनर्स के अधिकारों पर जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेशीय सेवा निवृत्त प्राथमिक शिक्षक कल्याण परिषद, जनपद–शाखा सिद्धार्थनगर की एक आवश्यक बैठक जिला अध्यक्ष कान्ति कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में जिला कोषागार के पेंशनर कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में जनपद की कार्यसमिति के सदस्यों, क्षेत्रीय इकाइयों के अध्यक्षों, मंत्रियों तथा बेसिक शिक्षा परिषद के सेवा निवृत्त शिक्षकों ने बड़ी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। ‍बैठक के दौरान वक्ताओं ने सरकार द्वारा 25 मार्च 2025 को पेंशनर्स के खिलाफ बनाए गए कानूनों का कड़ा विरोध किया और इसे शिक्षकों व पेंशनभोगियों के हितों के प्रतिकूल बताया। इसके साथ ही बैठक में निम्नलिखित प्रमुख मांगें प्रमुखता से उठाई गईंरू अतिरिक्त पेंशन वृद्धिः पेंशनर्स की आयु 65, 70 और 75 वर्ष पूर्ण होने पर क्रमशः 5%, 10% और 15% अतिरिक्त पेंशन बढ़ोतरी देने की मांग की गई। आठवां वेतन आयोगः आठवें वेतन आयोग के गठन में पेंशनर्स को शामिल किए जाने और उनके हितों को ध्यान में रखते हुए त्वरित निर्णय लेने की मांग उठाई गई। ‍पुरानी पेंशन बहालीरू पुरानी पेंशन को गैर–अंशदायी और गैर–वित्तपोषित न घोषित किए जाने का पुरजोर आग्रह किया गया। ‍बैठक के अंत में महामन्त्री भवन प्रसाद दुबे, कोषाध्यक्ष अष्टभुजा प्रसाद श्रीवास्तव, संयुक्त मंत्री रमाकांत पाठक, राम नारायण, दुष्यंत राय, कक्नेश्वर प्रसाद, राम शंकर गुप्त, जिला उपाध्यक्ष बुद्धिरम आदि शिक्षक एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लखनऊ में ग्राम रोजगार सेवकों ने नियमितीकरण व मानदेय बढ़ाने की मांग उठाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

लखनऊ। आज लखनऊ में ग्राम विकास राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम के आवास पर ग्राम रोजगार सेवक (पंचायत मित्र) वेलफेयर एसोसिएशन, उ०प्र० के प्रतिनिधिमंडल की वर्तमान समस्याओं के संबंध में एक महत्वपूर्ण एवं सार्थक वार्ता हुई। इस दौरान रोजगार सेवकों की विभिन्न समस्याओं और उनकी पांच सूत्रीय मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। वार्ता में एसोसिएशन के प्रमुख पदाधिकारियों ने मंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए अवगत कराया कि वर्ष 2006 से मनरेगा योजना के तहत प्रदेश की विभिन्न ग्राम पंचायतों में लगभग 33,000 ग्राम रोजगार सेवक कार्यरत हैं। इन्हें वर्तमान में प्रशासनिक मद से केवल 7788/– रुपये का अल्प मानदेय मिलता है, जिससे उनके लिए परिवार का भरण–पोषण करना अत्यंत कठिन हो गया है। ‍प्रतिनिधिमंडल ने शासन के समक्ष निम्नलिखित 05 सूत्रीय मांगें रखीं: राज्य कर्मचारी का दर्जाः उ०प्र० में संविदा पर नियुक्त सभी 33000 ग्राम रोजगार सेवकों को नियमित कर राज्य कर्मचारी का दर्जा दिया जाए। ‍भर्ती में वरीयताः शासन से स्वीकृत ग्राम पंचायत अधिकारी/ग्राम विकास अधिकारियों की सीधी भर्ती में रोजगार सेवकों का 20 वर्ष का अनुभव देखते हुए उन्हें प्राथमिकता/वरीयता दी जाए। ‍एचआर पॉलिसीः ग्राम रोजगार सेवकों के लिए एचआर (HR) पॉलिसी लागू की जाए। ‍मानदेय वृद्धि और बजटः अन्य राज्यों की भांति ग्राम रोजगार सेवकों का मानदेय बढ़ाकर कम से कम 24000/– रुपये किया जाए तथा पृथक बजट से इसका नियमित भुगतान सुनिश्चित हो। मृतक आश्रित लाभः दिवंगत/मृतक ग्राम रोजगार सेवकों के आशध्ति परिवारों को मृतक आश्रित का लाभ प्रदान किया जाए। आज की इस बैठक में सम्मिलित होने वाले प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख सदस्य निम्नलिखित रहेः ‍कुलदीप द्विवेदी (प्रदेश अध्यक्ष) ‍रामलखन तिवारी (वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष) राजबीर सिंह (प्रदेश महामंत्री) आदित्य सिंह चौहान (संगठन मंत्री) अरुण यादव (प्रदेश प्रवक्ता)।

सिकरी बाजार में डीएम का खाद भंडार निरीक्षण, ओवररेटिंग पर सख्त निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा यादव खाद भण्डार, सिकरी बाजार विकास खण्ड लोटन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा स्टाक रजिस्टर एवं वितरण रजिस्टर को देखा गया। जिलाधिकारी द्वारा मौके पर रजिस्टर में अंकित खाद लेने वाले किसानों से दूरभाष से वार्ता कर जानकारी प्राप्त किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि किसानों को निर्धारित दर पर खाद की विक्री करें। इसके साथ ही किसानों का आधार नम्बर एवं मोबाइल नम्बर रजिस्टर पर दर्ज करें। किसी भी प्रकार की ओवर रेटिंग एवं टैगिंग नही होना चाहिए।

चेतिया बाजार बी–फैक्स समिति में लेखपाल ने किया रूटिंग चेक, यूरिया वितरण कराया

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। शनिवार को बांसी तहसील अंतर्गत क्षेत्र के बी–फैक्स सरकारी समिति चेतिया बाजार में क्षेत्रीय लेखपाल भानु प्रताप ने रूटिंग चेकिंग की। निरीक्षण के दौरान लेखपाल ने समिति पर यूरिया खाद की उपलब्धता, स्टॉक रजिस्टर और वितरण प्रक्रिया की जांच की। साथ ही मौके पर समिति के संचालक मनोज शुक्ला मौके पर उपस्थित होकर रजिस्टर चेक करवा रहे थे । लेखपाल उपस्थित रहकर किसानों को यूरिया खाद का वितरण भी कराया गया। इस दौरान महंगू, अरविंद यादव, मुनेश्वर यादव, सोनू निषाद सहित सैकड़ों किसान उपस्थित रहे। लेखपाल ने समिति प्रबंधक को निर्देश दिए कि यूरिया खाद वितरण में पारदर्शिता बरती जाए और किसी भी किसान को लाइन में परेशान न होना पड़े। किसानों को समय से यूरिया उर्वरक (खाद) उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। यूरिया उर्वरक खाद मिलने से किसानों ने राहत की सांस ली और लेखपाल के इस कदम की सराहना की।

जवाहर लाल नेहरू शिक्षा परिषद की प्रबंध समिति का हुआ पुनर्गठन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। आज अपराह्न 3:00 बजे जिला विद्यालय निरीक्षक सिद्धार्थ नगर के द्वारा नामित, विभा चतुर्वेदी जी (प्रधानाचार्या – राजकीय कन्या इंटर कालेज, नौगढ़) के पर्यवेक्षण में जवाहरलाल नेहरू शिक्षा परिषद, जवाहरलाल नेहरू स्मारक इंटर कॉलेज नौगढ़ की प्रबंध समिति का पुनर्गठन हुआ। जिसमें हरि कृष्ण जायसवाल अध्यक्ष, डॉ चंद्रेश कुमार उपाध्याय उपाध्यक्ष एवं श्याम बिहारी जायसवाल प्रबंधक निर्वाचित हुए।

रतनसेन इंटर कॉलेज बांसी में होगी सात अगस्त को एन सी सी कैडेटों की भर्ती

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। 47 यूपी बटालियन एनसीसी बस्ती के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल किसलय दूबे के आदेशानुसार 7अगस्त को कक्षा 9 और कक्षा 11 में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं का एन सी सी में प्रवेश 47 बटालियन के आर्मी आफिसर द्वारा किया जाएगा, जो शारीरिक और लिखित परीक्षा के माध्यम से होगा। प्रधानाचार्य संजय कुमार दूबे ने बताया कि जिन छात्र छात्राओं नें अभी तक विद्यालय में प्रवेश नहीं लिया अपना प्रवेश जल्द से जल्द करा लें अन्यथा भर्ती प्रक्रिया में भाग नहीं ले पायेंगे, और जिन छात्र छात्राओं ने प्रवेश ले लिया है वे यदि ए एन सी में प्रवेश लेना चाहते हैं तो एन सी सी अधिकारी कैप्टन डां संदीप कुमार और एस ओ कुलदीप चौधरी के पास अपना नाम दर्ज करा ले।

एसपीपीजी कॉलेज में छात्राओं को साइबर सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। मिशन शक्ति फेज–5.0 के द्वितीय चरण के तहत शनिवार को थाना शोहरतगढ़ पुलिस की मिशन शक्ति टीम ने शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छात्राओं को महिला सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूक किया। इस दौरान छात्राओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों तथा नए कानूनों की जानकारी भी दी गई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद एवं क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं को आत्मरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव और महिलाओं के अधिकारों के संबंध में विस्तार से

जानकारी दी गई। मिशन शक्ति टीम ने छात्राओं को बताया कि किसी भी प्रकार की समस्या या अपराध की स्थिति में वे नजदीकी थाने में स्थापित मिशन शक्ति केंद्र की सहायता ले सकती हैं। साथ ही महिलाओं से संबंधित हेल्पलाइन नंबर 1090 (वूमेन पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112 (पुलिस), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 108 (एम्बुलेंस), 101 (अग्निशमन), 14567 (एल्डर हेल्पलाइन) तथा 1930 (साइबर हेल्पलाइन) की जानकारी देते हुए इनके उपयोग के बारे में बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को नए आपराधिक कानूनों की प्रमुख धाराओं से भी अवगत कराया गया तथा किसी भी प्रकार के अपराध की स्थिति में बिना झिझक पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया। इस जागरूकता अभियान में उपनिरीक्षक राजकुमार यादव, हेड कांस्टेबल अविनाश सिंह, महिला कांस्टेबल उर्मिला देवी एवं शोभा भारती ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

शोहरतगढ़ सीएचसी में ऑपरेटर के अभाव में बंद पड़ी सेलेक्ट्रा मशीन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) शोहरतगढ़ में लाखों रुपये की लागत से स्थापित सेलेक्ट्रा ऑटोमेटिक बायोकेमिस्ट्री एनालाइजर मशीन ऑपरेटर के अभाव में कई महीनों से बंद पड़ी है। इसके कारण मरीजों को सरकारी अस्पताल में आधुनिक पैथोलॉजी जांच की सुविधा नहीं मिल रही और उन्हें निजी पैथोलॉजी केंद्रों का सहारा लेना पड़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने रक्त संबंधी जैव रासायनिक जांचों को तेज, सटीक और सुलभ बनाने के उद्देश्य से इस मशीन की स्थापना कराई थी। मशीन ब्लड शुगर, यूरिया, क्रिएटिनिन, लिवर फंक्शन टेस्ट (एलएफटी), कोलेस्ट्रॉल, इलेक्ट्रोलाइट्स समेत कई महत्वपूर्ण जांचें कम समय में करने में सक्षम है। हालांकि, नियमित प्रशिक्षित ऑपरेटर की तैनाती न होने से यह मशीन उपयोग से बाहर है। जानकारों के अनुसार मशीन के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी संबंधित एजेंसी की है, लेकिन अब तक ऑपरेटर उपलब्ध नहीं कराया गया है। इससे शासन की मंशा के अनुरूप मरीजों को आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। क्षेत्रीय लोगों ने स्वास्थ्य विभाग से जल्द ऑपरेटर की तैनाती कर मशीन का संचालन शुरू कराने की मांग की है। इस संबंध में सीएचसी अधीक्षक डॉ. ए.के. आजाद ने बताया कि एजेंसी से बात हो चुकी है और जल्द ही ऑपरेटर उपलब्ध कराकर मशीन शुरू कर दी जाएगी।

जिले में सर्वाधिक नामांकन पर पटियापार कंपोजिट विद्यालय सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

मिश्रौलिया/सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर में वर्तमान सत्र 2026–27 में सर्वाधिक नामांकन कराने वाले एनपीआरसी धनगढवा के अन्तर्गत कंपोजिट विद्यालय पटियापार को सम्मानित किया गया। विद्यालय में जिले भर में सबसे अधिक छात्र–छात्राओं का नामांकन हुआ है। इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक विजय कुमार एवं समस्त स्टाफ को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, ब्लॉक इकाई खुनियांव के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय बहादुर अंबेडकर द्वारा मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अंबेडकर ने कहा कि प्रधानाध्यापक और स्टाफ की मेहनत से ही यह उपलब्धि संभव हुई है। उन्होंने सभी शिक्षकों को बधाई दी और आगे भी इसी तरह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की अपील की। विद्यालय परिवार की इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

सम्पादकीय

पिता तो हैं। अब जब पति–पत्नी असीमित इच्छाओं की पूर्ति के लिये काम पर चले जाते हैं तो घर किसके सहारे रहे? बच्चा किसके भरोसे रहे? कामवाली के? जो चंद पैसों के लिये घर में काम करने आती है। जो वहां आकर अपने घर के अभावों व दुख की तुलना इस घर की समृद्धि से करती है। वही घर के बच्चे की देखभाल के साथ अपने संस्कार भी देती है। दरअसल, आज परिवार...

सुरक्षा कवच था संयुक्त कुनबे का संबल

देश के बहुचर्चित 'हनीमून मर्डर' केस की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने आधुनिक जीवनशैली से पारिवारिक विघटन पर जो गंभीर टिप्पणी की, मानो उसने भारतीय समाज की दुखती रग पर हाथ रख दिया। सोनम रघुवंशी मामले में मेघालय सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की बेंच ने गंभीर टिप्पणी की कि आज पति–पत्नी के रिश्तों में भरोसा कम हो रहा है। पहले संयुक्त परिवार रिश्तों को संभालते थे। संयुक्त परिवार इंसान को निराशा सहना और एडजस्ट करना सिखाते थे। लेकिन आज छोटे परिवारों की व्यवस्था के कारण पुरुषों व महिलाओं में डिप्रेशन बढ़ रहा है। लोग छोटी–छोटी बातों में चिढ़ने लगते हैं। गैजेट्स की लत ने इस संकट को और बढ़ाया है। जस्टिस सुंदरेश ने तो यहां तक कहा कि आज बच्चा किसी बात पर जरा रो दे, माता–पिता उसे मोबाइल थमा देते हैं। निस्संदेह, भावनाओं का विकल्प कभी गैजेट्स नहीं हो सकते। धीरे–धीरे बच्चों को इस मोबाइल की लत लग जाती है। उनकी एकाग्रता भंग होने लगती है। भले ही अदालत के समक्ष एक संगीन अपराध का मामला था, लेकिन उसने उस गंभीर संकट के मर्म पर चोट की है, जिससे आए दिन परिवार बिखराव की दहलीज पर खड़े नजर आते हैं। विडंबना देखिए कि जिस भारतीय समाज में 'तलाक' के लिये कोई शब्द ही नहीं था, वहां अदालतों में रिश्तों को तोड़ने वालों की भीड़ लगी है। यहां तक कि एक बार अदालत को कहना पड़ा कि पारिवारिक झगड़ों के कारण महत्वपूर्ण कानूनी मामलों पर दबाव बढ़ रहा है। एक समय था कि पश्चिमी जगत में भारतीय परिवार संस्था की सार्थकता व समृद्ध परंपराओं की दुहाई दी जाती थी। लेकिन आज उसी भारत ने पश्चिमी समाज का अंधानुकरण करके एकल परिवार को जीवन का लक्ष्य बना लिया है। जिसके चलते लाखों परिवार संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहे हैं। जिससे पारिवारिक संस्था संकटों से जूझ रही है। हाल के दिनों में विवाह से ठीक पहले और विवाह के ठीक बाद के, कई वीभत्स हत्याकांड सामने आए हैं, जिन्होंने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। निर्मम हत्या करने वाली महिला के पति व मंगेतरों के पास प्रतिष्ठा, अचल संपत्ति व बैंक बैलेंस की कोई कमी नहीं थी। निस्संदेह, धन–सपंदा व भारी चमक–दमक से जीवन का सुख नहीं खरीदा जा सकता। संत कबीरदास ने सदियों पहले कह दिया था कि३ जब आए संतोष धन सब धन धूरि समान। तभी तो तमाम समृद्धि व विलासिता के साधनों के बावजूद लोग खुश नहीं हैं। ऐसे में घातक कदम उठाने वाले महिलाओं व पुरुषों की परवरिश में भी कहीं न कहीं कोई कमी जरूर रह गई है। पहले साझे परिवारों में दादा–दादी या नाना–नानी, अपने जीवन के कठिन अनुभवों व नफे–नुकसान से हासिल ज्ञान से बेटे–बेटियों व पोते–पोतियों को सीख देते थे। जीवन मूल्यों की कहानियां सुनाया करते थे। संयुक्त परिवार में माता–पिता को किसी अप्रत्याशित झटके झेलने वाला सुरक्षा कवच माना जाता था। दुख–दर्द का मुकाबला साझे रूप में करने से वह कम महसूस होता था। घर की सुरक्षा बनी रहती थी। बूढ़ी मां भले ही शारीरिक रूप से अक्षम होती, लेकिन भरोसा बना रहता था कि घर में मां तो है। पिता तो हैं। अब जब पति–पत्नी असीमित इच्छाओं की पूर्ति के लिये काम पर चले जाते हैं तो घर किसके सहारे रहे? बच्चा किसके भरोसे रहे? कामवाली के? जो चंद पैसों के लिये घर में काम करने आती है। जो वहां आकर अपने घर के अभावों व दुख की तुलना इस घर की समृद्धि से करती है। वही घर के बच्चे की देखभाल के साथ अपने संस्कार भी देती है। दरअसल, आज परिवार में रिश्तों से बड़े अहमद्द हो गए हैं। इगो का टकराव अकसर रिश्तों के बिखराव की वजह बनता है। कोई झुकने को तैयार नहीं होता है तो परिवार को टूटने से कौन रोकेगा? जाहिर है जो बात पति–पत्नी के बीच नहीं बनी, वो कोर्ट–कचहरी में क्या बनेगी? अलगाव का त्रास मनमुटाव से ज्यादा भयावह होता है। तभी तो अदालतों में तलाक की अर्जियों की संख्या दिन–दुगनी और रात चौगुनी गति से बढ़ रही है।

'हिट' की मार के बावजूद बरकरार है धार

वह तुम्हारा घर नहीं है, वह तुम्हारा किचन नहीं है न कि हिट मार कर उन्हें भगा दोगे। हालांकि, वहां भी हिट तो मारा जा रहा है। लठ तो बजाए जा रहे हैं। पर वे जा ही नहीं रहे। कहां जा रहा है, तू ए जाने वाले। अच्छा, दिल्ली जा रहा है। ठीक है, दिल्ली तो जाना, पर दिल्ली में कहां जाना है, यह देख लेना, क्योंकि इधर मेट्रो के बहुत से स्टेशन बंद रहते हैं। फंस मत जाना। हां–हां, जैसे कोई राड़ा होने पर इंटरनेट बंद कर दिया जाता है, वैसे ही दिल्ली में मेट्रो स्टेशन भी बंद कर दिए जाते हैं। नहीं, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, पहले भी कई बार ऐसा हुआ है। और हां, अगर नयी दिल्ली की तरफ जाना है, तो जंतर–मंतर मत जाना। वैसे भी जंतर–मंतर पर तो आंदोलनकारी ही जाते हैं। लेकिन तुम तो आंदोलनकारी– आंदोलनजीवी नहीं हो न। तो जंतर–मंतर मत जाना। वहां कॉकरोच आ गए हैं, इकट्ठे हो गए हैं, जम गए हैं। न जाने कहां–कहां से आ गए हैं। बहुत दिन तक तो इक्के–दुक्के, दो–चार, दस ही नजर आए। लेकिन अचानक उनकी संख्या बढ़ने लगी। हजारों में पहुंच गयी। उन्हें रोकने की बड़ी कोशिश हुई, कोशिश हुई कि उन्हें फैलने न दिया जाए। घेराबंदी की गयी। बैरिकेडों की वेल्डिंग तक की गयी। लेकिन यह मजबूती भी कोई काम नहीं आयी। वे निकल गए, इधर से, उधर से, काबू में ही नहीं आए, फैल गए और संसद तक पहुंच गए। नहीं भाई, वह तुम्हारा घर नहीं है, वह तुम्हारा किचन नहीं है न कि हिट मार कर उन्हें भगा दोगे। हालांकि, वहां भी हिट तो मारा जा रहा है। लठ तो बजाए जा रहे हैं। पर वे जा ही नहीं रहे। जाते हैं, तो फिर आ जाते हैं और पहले की तरह फिर जुट जाते हैं। तो तुम जंतर–मंतर मत जाना। वहां कॉकरोचों पर पुलिस के डंडे पड़ रहे हैं, तुम भी लपेटे में मत आ जाना। कॉकरोच कह रहे हैं कि पुलिस वाले बहुत मार रहे हैं, डंडे मार रहे हैं, थप्पड़–लात–घूंसे मार रहे हैं, और तो और लंगड़ी मार कर गिरा भी रहे हैं। कुछ तो कह रहे हैं कि उनके डंडों में कीलें भी लगी हैं। डंडे मारने वाले और भी बहुत से लोग आ गए हैं। कोई कह रहा है कि सादी वर्दी में पुलिस वाले ही हैं, कोई कह रहे हैं कि नहीं पुलिस वाले तो नहीं लग रहे। पर वे मार बहुत रहे हैं। तो तुम उधर मत जाना। कॉकरोच पुलिस वालों को लानतें भी दे रहे हैं, उन्हें उनके बच्चों का वास्ता दे रहे हैं। लेकिन उनकी दुहाइयां काम नहीं आ रही। उन पर किसी को दया नहीं आ रही। दया आ रही है तो लंगर वालों को। वे उन्हें खाना पहुंचा रहे हैं। दया उन पर और भी बहुत से लोगों को आ रही है, जो जोमेटो और स्विगी से खाना ऑर्डर कर वहां भिजवा रहे हैं। लेकिन यह भी हो सकता है वह उनका दया भाव न हो। उनका प्यार हो, स्नेह हो, लाड़ हो, वात्सल्य हो। वे उन पर वारी–वारी जा रहे हों, बलैया ले रहे हों, सदके जा रहे हों। नहीं क्या?

परेशान करने वाली है नादानी की कहानी

रील्स का एक एल्गोरिदम है। आप जैसा देखते हैं, वैसी रील्स लगातार आपके पास आने लगती हैं। ऐसे में हानिकारक और हिंसक सामग्री बच्चों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रही है। यह नुकसान न केवल देखने में है, बल्कि बनाने में भी। एक अध्ययन में सामने आया है कि भारत के महानगरीय जीवनशैली में माता–पिता खुद अपने बच्चों को रील्स बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। कई बार तो खुद भी उनके साथ शामिल हो रहे हैं...

किसी ऐतिहासिक पर्यटन स्थल पर घूमने गए एक परिवार के बच्चों ने वहां जाने से इसलिए मना कर दिया कि उस परिसर में मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं थी। बच्चों को उसी जगह जाना पसंद था जहां वे फोटो खींच सकें, वीडियो या रील बना सकें और उन्हें अपने सोशल मीडिया मंचों पर अपलोड कर सकें। बच्चों की जिद के आगे परिवार के बड़े सदस्य नतमस्तक हो गये और बाहर से लौट आये। यह वाकया छोटा सा है, लेकिन इसके असर दूरगामी हैं। फोटो खींचने, वीडियो बनाने का यह जुनून अब अपने खतरनाक रूप की ओर बढ़ चला है। 'लाइक', 'कमेंट' और 'व्यूज' को बटोरने और उसके जरिये कमाई करने की कोशिशों में हदें पार हो रही हैं।

जिंदगी की राहों में रील बनाने का चस्का ऊहापोह के चौराहे पर पहुंच चुका है। आये दिन इस चस्के के कारण जान चली जाने की खबरें तो आती ही हैं, किशोरावस्था की दहलीज पर कदम रख रहे बच्चों की बुद्धिमत्ता पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। कुछ समय पूर्व एक शोध रिपोर्ट में यह बात सामने आई थी कि अगर आप किसी खास जगह पर घूमने जाएं और वहां हर समय फोटो–वीडियो बनाने में ही व्यस्त रहेंगे तो आपको अपने इस पर्यटन की यादें बहुत समय तक नहीं रहेंगी। इसके उलट अगर आप एक बार फोटो खिंचा लें फिर उन नजारों का आनंद लें तो लंबे समय तक ये यादें आपके जेहन में रहेंगी। आप इनकी चर्चा भी अपने जानने वालों से करते रहेंगे। रिपोर्ट में इस बात का जिक्र था कि जिन पर्यटन या धार्मिक स्थलों पर फोटोग्राफी–वीडियोग्राफी की मनाही होती है या मोबाइल ले जाना प्रतिबंधित होता है, वहां की यादें लोगों के जेहन में लंबे समय तक रहती हैं। आजकल बहुतायत में यह देखा जाता है कि पर्यटन पर निकले लोग फोटो खिंचाने या वीडियो बनाने में ही व्यस्त नजर आते हैं। वह अपनी यात्रा को कितना अपने मन–मस्तिष्क में संजोकर रख पाते होंगे, ये वही जानें। लेकिन कोई यादों को मन में सहेजना चाहे या नहीं, उन पर निर्भर करता है। लेकिन रील बनाने का चस्का अब लोगों की भावनाओं से भी खिलवाड़ करने तक पहुंच गया है। गरीबी का मजाक उड़ाया जाता है। रेहड़ी–पटरीवालों और बुजुर्गों के प्रति संवेदनशून्यता नजर आती है। स्त्री के सम्मान को ठेस पहुंचाई जाती है और कई बार तो सांस्कृतिक विरासत के साथ भी बेहूदगी होती है। पिछले दिनों उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में अनेक लोगों ने ऐसी ही कुछ रील्स का सार्वजनिक तौर पर विरोध किया। मामला था 'रंगवाली पिछौड़ा' का। दरअसल, कुमाऊं क्षेत्र में शुभ कार्यों के दौरान महिलाएं एक विशेष किस्म की ओढ़नी से सिर ढकती हैं जिसे 'रंगवाली पिछौड़ा' कहते हैं। रील्स की लत लगाए बैठे लोगों ने कुछ कुत्तों को इसे ओढ़ाकर वीडियो बनाईं। उसे अपने सोशल मीडिया मंचों पर अपलोड भी कर दिया। ऐसी रील्स का लोगों ने जमकर विरोध किया और फटाफट 'अनफॉलो' भी करना शुरू किया। ऐसे ही बिहार, झारखंड एवं पश्चिम बंगाल के अनेक प्रवासी कहते हैं कि उनके यहां भी रील्स का अजीब चस्का है। बुजुर्ग दुकानदारों, सब्जी–फल बेच रहीं महिलाओं को 'ठगा' जाता है। 'प्रैंक' के नाम पर ऊल–जलूल हरकतें होती हैं। गनीमत है कि कुछ रील्स की आप संबंधित मंचों पर ही रिपोर्ट कर सकते हैं। उन्हें देखने से इनकार कर सकते हैं। अनफॉलो कर सकते हैं, लेकिन उन वीडियो का क्या होगा जो बच्चे यूं ही देखते चले जा रहे हैं। दरअसल, रील बनाने का जितना चस्का है, उससे कहीं अधिक उन्हें देखने का भी है। अनगिनत रील। कहीं बिना प्रमाण के डॉक्टरी सलाह हैं तो कहीं हंसी–मजाक। कहीं भयानक फूहड़ता है तो कहीं भद्दे चुटकुले। रील्स की इस भयावहता का अंदाजा फ्रांस आदि देश लगा चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया का नाम इनमें सबसे पहले आता है जहां 16 वर्ष से कम के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध है। ऑस्ट्रेलिया के अलावा अनेक देश भी ऐसा प्रतिबंध लगा चुके हैं या लगाने की तैयारी में हैं। प्रतिबंध से पहले इन देशों में शोध करवाए गए। शोध अध्ययन की फाइनल रिपोर्ट में कहा गया कि सोशल मीडिया पर वीडियो देखने की लत से बच्चों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। रील्स का एक एल्गोरिदम है। आप जैसा देखते हैं, वैसी रील्स लगातार आपके पास आने लगती हैं। ऐसे में हानिकारक और हिंसक सामग्री बच्चों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रही है। यह नुकसान न केवल देखने में है, बल्कि बनाने में भी। एक अध्ययन में सामने आया है कि भारत के महानगरीय जीवनशैली में माता–पिता खुद अपने बच्चों को रील्स बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। कई बार तो खुद भी उनके साथ शामिल हो रहे हैं। इससे उनकी पढ़ाई पर तो प्रतिकूल असर पड़ ही रहा है, वास्तविक जीवन से भी वे दूर होते जा रहे हैं। कुछ लोग खुद को सोशल मीडिया सनसनी के तौर पर मानने लगे हैं और उनको 'स्टारडम' जैसा अनुभव होने लगा है। इस चस्के पर लगाम लगाने के लिए कानूनी डंडे से ज्यादा कारगर सामाजिक जागरूकता होगी।

फ्रेडरिक नीत्शे के दर्शन में 'रेसांतिमां' की अवधारणा इस प्रवृत्ति को समझने का एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। नीत्शे के अनुसार जब व्यक्ति के भीतर दबी हुई कटुता और प्रतिशोध की भावना लंबे समय तक बनी रहती है, तो वह उसके नैतिक निर्णयों और व्यवहार को भी प्रभावित करने लगती है। ऐसी स्थिति में संघर्ष का उद्देश्य न्यायपूर्ण समाधान नहीं रह जाता, बल्कि दूसरे व्यक्ति...

न्याय नहीं, प्रतिशोध का माध्यम बनते कार्यस्थल

अंततः प्रश्न केवल वैवाहिक विवादों का नहीं, बल्कि उस सामाजिक मर्यादा का है जो न्याय और प्रतिशोध के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखती है। यदि निजी संघर्ष सार्वजनिक प्रतिष्ठा को नष्ट करने का माध्यम बनने लगें, तो यह केवल किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सभ्यता की परीक्षा बन जाता है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने वैवाहिक विवादों के एक चिंताजनक पक्ष पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना एवं न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि वैवाहिक विवादों के दौरान पति या पत्नी द्वारा एक–दूसरे के नियोक्ता अथवा वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायत–पत्र भेजने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। न्यायालय ने कहा कि ऐसी शिकायतों के परिणामस्वरूप कई बार संबंधित व्यक्ति की नौकरी चली जाती है या उसका सेवा–जीवन गंभीर रूप से प्रभावित होता है। न्यायालय के अनुसार, तलाक का मुकदमा लड़ना एक अलग बात है, किंतु किसी व्यक्ति की आजीविका और पेशेवर प्रतिष्ठा को संकट में डाल देना कहीं अधिक गंभीर है। यदि किसी व्यक्ति की नौकरी ही समाप्त हो जाए, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव भरण–पोषण (मेंटेनेंस) जैसे वैधानिक दायित्वों पर भी पड़ सकता है। पिछले पांच दशकों में विभिन्न उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय ने अनेक अवसरों पर यह स्पष्ट किया है कि वैवाहिक विवादों के दौरान पति या पत्नी द्वारा एक–दूसरे के नियोक्ता अथवा वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष अप्रमाणित अथवा मानहानिकारक शिकायतें करना केवल व्यक्तिगत प्रतिशोध का माध्यम नहीं है, बल्कि इससे संबंधित व्यक्ति की प्रतिष्ठा, सेवा–जीवन और आजीविका पर भी गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। न्यायालयों ने समय–समय पर ऐसे आचरण को मानसिक क्रूरता के दृष्टिकोण से परखा है तथा परिस्थितियों के अनुसार इसे वैवाहिक संबंध–विच्छेद का आधार भी माना है। इस संबंध में सबसे प्रारंभिक और उल्लेखनीय निर्णयों

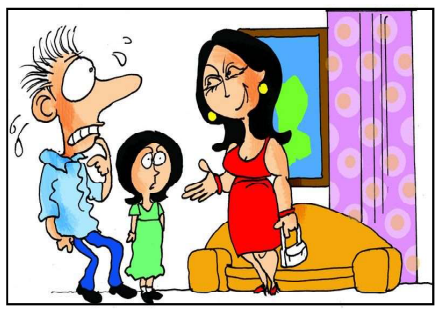

में से एक 'शकुंतला कुमारी बनाम ओम प्रकाश घई' (दिल्ली उच्च न्यायालय, 1980) का है। इस मामले में अलग रह रही पत्नी ने लोकसभा सचिवालय, जहां उसका पति कार्यरत था, को पत्र लिखकर उस पर दुर्व्यवहार तथा अन्य गंभीर आरोप लगाए। न्यायालय ने पाया कि यदि पत्नी का उद्देश्य केवल भरण–पोषण प्राप्त करना था, तो उसके लिए यह कहना पर्याप्त था कि उसे भरण–पोषण नहीं मिल रहा है। इसके लिए पति तथा उसके परिवार के विरुद्ध गंभीर आरोप लगाने की आवश्यकता नहीं थी। न्यायालय ने इस प्रकार की शिकायतों के प्रभाव पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'नियोक्ता के समक्ष इस प्रकार की असत्य शिकायत करना निस्संदेह मानसिक क्रूरता है। इससे कर्मचारी की अपने नियोक्ता की दृष्टि में प्रतिष्ठा धूमिल होती है तथा उसके सेवा–जीवन और पदोन्नति की संभावनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। स्वाभाविक रूप से इसका उसके मन पर गहरा प्रभाव पड़ता है और उसकी मानसिक शांति भंग होती है।' प्रश्न केवल इतना नहीं है कि न्यायालयों ने इस प्रकार के आचरण को मानसिक क्रूरता क्यों माना। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि व्यक्तिगत संबंधों में उत्पन्न विवाद किस प्रकार उस सीमा तक पहुंच जाते हैं, जहां व्यक्ति न्याय की अपेक्षा दूसरे को अधिकतम क्षति पहुंचाने का माध्यम खोजने लगता है। जब संघर्ष का उद्देश्य समाधान के स्थान पर दूसरे व्यक्ति की प्रतिष्ठा, आजीविका अथवा पेशेवर जीवन को प्रभावित करना बन जाए, तब यह केवल वैवाहिक विवाद नहीं रह जाता, बल्कि मानवीय संबंधों के नैतिक पतन का भी संकेत देता है। इसी संदर्भ में रॉबर्ट होगन का 'सामाजिक–विश्लेषणात्मक सिद्धांत' महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। उनके अनुसार व्यक्ति केवल अपनी एक पहचान नहीं बनाता, बल्कि समाज भी उसके व्यवहार और कार्य के आधार पर उसके प्रति एक धारणा विकसित करता है। यही धारणा समय के साथ उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा का आधार बनती है। इसलिए जब व्यक्तिगत संबंधों का संघर्ष किसी व्यक्ति की पेशेवर प्रतिष्ठा को लक्ष्य बनाता है, तो उसका प्रभाव केवल वर्तमान विवाद तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वर्षों में अर्जित विश्वास और सामाजिक स्वीकार्यता पर भी पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों में सबसे बड़ी विडंबना यह होती है कि आरोपों की सत्यता का परीक्षण बहुत बाद में होता है, जबकि उनके आधार पर बनने वाली सामाजिक धारणा तत्काल अपना प्रभाव छोड़ने लगती है। कार्यस्थल पर पहुंचा व्यक्तिगत विवाद व्यक्ति को ऐसी स्थिति में खड़ा कर देता है, जहां उसे उन घटनाओं के लिए भी संकोच, असहजता और मानसिक दबाव का सामना करना पड़ता है जिनका उसके पेशेवर दायित्वों से कोई संबंध नहीं होता। वह स्वयं को असहाय अनुभव करता है, क्योंकि एक ओर न्यायिक प्रक्रिया अपनी गति से चल रही होती है, वहीं दूसरी ओर उसके सहकर्मी, वरिष्ठ अधिकारी और सामाजिक परिवेश उसके बारे में अपनी–अपनी धारणाएं बनाने लगते हैं। यही कारण है कि ऐसी शिकायतों का प्रभाव केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि गहरे मनोवैज्ञानिक स्तर पर भी पड़ता है। यहीं व्यक्तिगत संबंधों की मर्यादा का सबसे कठिन परीक्षण भी होता है। संबंधों में मतभेद होना अस्वाभाविक नहीं है और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायालय का दरवाजा खटखटाना भी प्रत्येक व्यक्ति का वैधानिक अधिकार है। किंतु जब संघर्ष का उद्देश्य न्याय प्राप्त करने के स्थान पर दूसरे व्यक्ति को अधिकतम सामाजिक, आर्थिक या पेशेवर क्षति पहुंचाना बन जाए, तब वह अधिकारों के प्रयोग से आगे बढ़कर प्रतिशोध की मानसिकता का रूप लेने लगता है।

पाकिस्तान के परमाणु इतिहास का यूएस–सऊदी अरब न्यूक्लियर डील पर क्या पड़ेगा असर ?

करीब दो दशक पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने इस्लामाबाद के ऐवान–ए–सदर (राष्ट्रपति भवन) में परवेज मुशर्रफ के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तान को भारत जैसी शसिविल न्यूक्लियर डीलश देने से साफ इनकार कर दिया था। बुश का स्पष्ट संदेश था दोनों देशों का इतिहास अलग है।ष इस इनकार के पीछे की सबसे बड़ी वजह थी पाकिस्तान का काला परमाणु इतिहास और डॉ. ए.क्यू. खान का वैश्विक परमाणु तस्करी नेटवर्क। आज जब अमेरिका और सऊदी अरब के बीच ऐतिहासिक सिविल न्यूक्लियर डील (22 जुलाई 2026) पर मुहर लगी है, तब एक बार फिर पाकिस्तान के इस काले इतिहास और उसके सऊदी अरब के साथ संबंधों की छाया इस वैश्विक कूटनीति पर मंडरा रही है। उन्होंने कहा, ष्दोनों देशों का इतिहास अलग–अलग है। जैसे–जैसे हम आगे बढ़ेंगे, हमारी रणनीति में उन जाने–पहचाने अंतरों को ध्यान में रखा जाएगा। बुश ने अपने बगल में खड़े मुशर्रफ के लिए दरवाजा पूरी तरह बंद कर दिया, और इसके पीछे एक वजह थी। दो साल पहले, बुश प्रशासन ने मुशर्रफ को एक पाकिस्तानी न्यूक्लियर साइंटिस्ट के बारे में पक्के सबूत सौंपे थे, जो इतिहास का सबसे बड़ा न्यूक्लियर प्रसार नेटवर्क चला रहा था। डॉ. ।फ खान ने लीबिया, उत्तर कोरिया और ईरान को न्यूक्लियर मटीरियल, बम के डिजाइन और सेंट्रीफ्यूज बेचे थे। खान आध ुनिक जमाने के जॉनी एप्पलसीड जैसे थे – जो 19वीं सदी में अमेरिका के नए इलाकों में सेब के बागान लगाने वाले मशहूर अमेरिकी मिशनरी नर्सरीमैन थे। खान ने 1980 के दशक में ईरान को यूरेनियम एनरिचमेंट सेंट्रीफ्यूज बेचे थे, जिन्हें ईरान ने रिवर्स–इंजीनियरिंग से बनाया (जिन्हें अमेरिका अब हवाई हमलों से नष्ट करने की कोशिश कर रहा है)। बुश–मुशर्रफ प्रेस कॉन्फ्रेंस के ठीक सात महीने बाद उत्तर कोरिया ने अपना पहला न्यूक्लियर बम टेस्ट किया। सिर्फ लीबिया ने 2003 में स्वेच्छा से अपना न्यूक्लियर हथियार प्रोग्राम छोड़ दिया था – और तभी **IAEA** जांचकर्ताओं ने खान नेटवर्क का पता लगाया। मुअम्मर गद्दाफी ने जो न्यूक्लियर ब्लूप्रिंट सौंपे थे, वे एक चीनी

न्यूक्लियर बम, **CHIC**–4 के थे। ये ड्रॉइंग इस्लामाबाद के शगुड लुक्स टेलर्सश के शॉपिंग बैग में लिपटी हुई थीं, जहाँ अच्छे कपड़े पहनने वाले खान अपने सूट सिलवाते थे। पाकिस्तानी प्रशासन आज भी यही कहता है कि खान, जिनकी 2021 में नजरबंदी के दौरान मौत हो गई थी, एक मनमौजी व्यक्ति थे जो अपनी मर्जी से काम कर रहे थे। दिलचस्प बात यह है कि इस्लामाबाद सालों से अपनी जमीन पर काम करने वाले आतंकवादियों को सही ठहराने के लिए इसी तरह की दोहरी बातें कहता रहा है। इन बातों पर यकीन करना मुश्किल है। खान ने कड़ी निगरानी वाले मिलिट्री–संचालित न्यूक्लियर प्रोग्राम से सेंट्रीफ्यूज और न्यूक्लियर मटीरियल लिया। उन्होंने हजारों मील दूर स्थित तीन देशों तक न्यूक्लियर मटीरियल पहुँचाने के लिए पाकिस्तानी वायु सेना के ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट समेत देश के संसाध ानों का इस्तेमाल किया। सऊदी अरब ने अमेरिका के साथ न्यूक्लियर डील की: पाकिस्तान के विरोध के बावजूद, AQ खान की धोखेबाजी की छाया उसकी सभी न्यूक्लियर गतिविधियों पर मंडरा रही है। फिलहाल, उसे सऊदी अरब जैसी शांतिपूर्ण न्यूक्लियर सहयोग डील मिलने की संभावना कम है, जैसी सऊदी अरब ने 22 जुलाई को अमेरिका के साथ की थी। यह डील सऊदी अरब को बिना किसी अंतरराष्ट्रीय निगरानी के अपना न्यूक्लियर फ्यूल एनरिच करने की इजाजत देती है, जो उसे इस जानकारी का इस्तेमाल करके हथियार बनाने लायक यूरेनियम बनाने से रोकती। सऊदी अरब ने सार्वजनिक रूप से न्यूक्लियर हथियार हासिल करने की अपनी मंशा जाहिर की है। क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने 2018 में अल जजीरा से कहा था, ष्सऊदी अरब कोई न्यूक्लियर बम हासिल नहीं करना चाहता, लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि अगर ईरान न्यूक्लियर बम बनाता है, तो हम भी जल्द से जल्द वैसा ही करेंगे। सऊदी अरब सिर्फ पाकिस्तान की मदद से ही न्यूक्लियर हथियार वाला देश बन सकता है। सितंबर 2025 में, जब पश्चिम एशिया पर युद्ध के बादल मंडरा रहे थे, सऊदी अरब और पाकिस्तान ने आपसी रक्षा समझौता किया। इस समझौते के बाद, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि जरूरत पड़ने पर पाकिस्तान का न्यूक्लियर प्रोग्राम ष्सऊदी अरब के लिए उपलब्ध कराया जाएगाष। आसिफ ने 24 घंटे के भीतर अपना बयान वापस ले लिया, जाहिर तौर पर अंतरराष्ट्रीय दबाव में, लेकिन उनका बयान इजराइल के लिए था। पाकिस्तान फिलहाल एकमात्र ऐसा इस्लामिक देश है जिसके पास न्यूक्लियर हथियार और ऐसी मिसाइलें हैं जो सीधे तेल अवीव को निशाना बना सकती हैं, हालाँकि ऐसा करने पर इजराइल की तरफ से भयानक न्यूक्लियर जवाबी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। आपसी रक्षा समझौता पाकिस्तान को सबसे महत्वपूर्ण अरब देश में रणनीतिक गहराई देता है, जिससे वह भारत की सैन्य जवाबी कार्रवाई से सुरक्षित रहता है। सऊदी अरब को चीन के प्रभाव से दूर करना: सऊदी अरब भी ट्रंप प्रशासन के फोकस में है। भारत के लिए बुश की 2008 की न्यूक्लियर डील का मकसद उभरते चीन के खिलाफ एक रणनीतिक साझेदार बनाना था। ट्रंप की 2026 की न्यूक्लियर डील सऊदी अरब को बीजिंग के प्रभाव से दूर करती है। इसके बदले में सऊदी अरब अब्राहम समझौते के तहत इजराइल को मान्यता भी दे सकता है। इस समझौते का दूसरा पहलू यह है कि ट्रंप ने एक ऐसे देश को न्यूक्लियर डील दी है जो लंबे समय से कहता आ रहा है कि उसे बम चाहिए, और जिसकी रणनीतिक साझेदारी एक ऐसे इस्लामिक देश के साथ है जो परमाणु हथियार रखने के बावजूद लगभग दिवालिया हो चुका है और जिसका परमाणु सामग्री की तस्करी का पुराना इतिहास रहा है। सऊदी परमाणु डील में एनरिचमेंट (संवर्धन) का प्रावध ान इसे समस्याग्रस्त बनाता है। डील के आलोचक, जैसे अमेरिकी सीनेटर एड मार्की, का तर्क है कि ष्सिर्फ रिएक्टर के बजाय एनरिचमेंट की इजाजत देने से नागरिक कार्यक्रम और संभावित हथियार बनाने के रास्ते के बीच का फर्क धुंधला हो जाता है। अगर इन बातों को जोड़कर देखें, तो साफ है कि भविष्य में यह एक बड़ी मुसीबत का कारण बन सकता है। अगर सऊदी अरब पाकिस्तानी मदद से परमाणु क्षमता हासिल करता है – यानी इस्लामाबाद से हथियार बनाने की टेक्नोलॉजी या मदद लेता है कृ तो इससे पश्चिम एशिया के झगड़ों में परमाणु पहलू भी जुड़ सकता है। पाकिस्तान के असल शासक, फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के लिए नागरिक परमाणु डील अभी कोई प्राथमिकता नहीं लगती। सेना प्रमुख का ज्यादा ध्यान अमेरिका और ईरान के बीच शांतिदूत की भूमिका निभाने पर हैय माना जाता है कि इसी भूमिका के लिए उन्होंने अमेरिका से 10 अरब डॉलर का बेलआउट पैकेज मांगा है। नई दिल्ली को इस बात का अंदाजा होना चाहिए कि भविष्य में पाकिस्तान के लिए नागरिक परमाणु डील हो सकती है। ऐसी कोई भी परमाणु डील इस्लामाबाद के फायदे में ही होगी। इससे पाकिस्तान अपने देश में निकाले गए यूरेनियम का ज्यादा इस्तेमाल बम बनाने में कर सकेगा और, इससे भी अहम बात यह है कि उसके परमाणु हथियार कार्यक्रम को मान्यता मिलेगी और उसे भारत के बराबर रणनीतिक हैसियत मिल जाएगी। अमेरिका के लिए इसके दो फायदे होंगे कृ इस्लामाबाद को चीन के प्रभाव से बाहर निकालना और तेजी से आगे बढ़ते भारत के मुकाबले उसे मजबूत करना। 21वीं सदी के मध्य तक दुनिया की दूसरी और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के खिलाफ यह अमेरिका के लिए एक रणनीतिक बचाव का काम कर सकता है।

ट्रंप का दावा: ईरान की **Military** खत्म, अब डील चाहते हैं लेकिन **Nuclear** सपना भूल जाएं!

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को कहा कि उन्हें लगता है कि ईरान पश्चिम एशिया में फिर से शुरू हुए टकराव को खत्म करने के लिए अमेरिका के साथ समझौता करना चाहेगा, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि तेहरान अभी इसके लिए तैयार नहीं है। उन्होंने फिर से कहा कि उनका प्रशासन इस्लामिक रिपब्लिक को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा। व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन के दोबारा तय किए गए डिनर में बोलते हुए, ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन ईरान के मुद्दे को ष्बहुत अच्छेष तरीके से संभाल रहा है और उन्होंने इस टकराव की स्थिति पर मीडिया की आलोचनात्मक कवरेज को खारिज कर दिया। ट्रंप ने अपनी बात रखते हुए कहा कि सब कुछ बहुत अच्छा चल रहा है। फेक न्यूज पर भरोसा न करें। ईरान के खिलाफ जारी अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का जिक्र करते हुए ट्रंप ने दावा किया कि तेहरान की सैन्य क्षमताएँ बुरी तरह कमजोर हो गई हैं। ट्रंप ने कहा कि हमने ईरान पर बहुत जोरदार हमला किया है। उनकी नेवी खत्म हो गई हैय उनकी

एयर फोर्स भी खत्म हो गई है। अब उनके पास 250 जेट और 159 अच्छी नावें नहीं बची हैं। उन्होंने आगे कहा कि जो जहाज तबाह हुए, वे सब समुद्र की तलहटी में चले गए हैं। उनके पास कोई रडार नहीं है। जो कुछ भी आपको दिखता है, उसके बावजूद उनके पास बहुत कम ड्रोन बचे हैं। और कभी–कभी वे कोई न कोई हरकत करते रहते हैं। अपनी बात जारी रखते हुए ट्रंप ने कहा कि ईरान को भारी नुकसान हुआ है और संकेत दिया कि दोनों पक्षों के बीच बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि उनके पास अब ज्यादा कुछ नहीं बचा है। वे अभी हमसे बात कर रहे हैं। वे डील करना चाहेंगे। मुझे नहीं लगता कि वे इसके लिए तैयार हैं। मुझे नहीं लगता कि अभी सही समय है, लेकिन मैं बात सुनने को तैयार हूँ। लेकिन उनके पास न्यूक्लियर हथियार नहीं हो सकते। ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अपने प्रशासन के पुराने रुख को दोहराते हुए ट्रंप ने कहा कि हम उन्हें परमाणु हथियार नहीं हासिल करने देंगे। एक बड़े प्रेस इवेंट में भाषण देने से पहले, ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि वॉशिंगटन अभी तेहरान के साथ बातचीत कर रहा है और साथ ही इस टकराव से बाहर निकलने के दो तरीकों पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन अभी इस बात पर विचार कर रहा है कि क्या सैन्य हमलों को बढ़ाया जाए, क्षमताओं को तेजी से खत्म किया जाए या बातचीत के जरिए कोई कूटनीतिक समाध ान निकाला जाए।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षा चौकी पर भीषण आतंकी हमला, 12 सैनिकों समेत 15 सुरक्षाकर्मियों की मौत

पाकिस्तान के पश्चिमोत्तर खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक संयुक्त पुलिस जांच चौकी पर हुए भीषण आतंकी हमले में 12 सैनिकों समेत कम से कम 15 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई। सेना की मीडिया शाखा इंटर–सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आईएसपीआर के अनुसार टांक जिले में तड़के यह हमला प्रतिबंधित संगठन तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े आतंकवादियों द्वारा किया गया।

मृतकों में दो पुलिसकर्मी और वन विभाग का एक कर्मचारी भी शामिल है। आईएसपीआर ने एक बयान में कहा कि आतंकियों ने सुरक्षा घेरा तोड़कर चौकी में घुसने की कोशिश की, जिसका सुरक्षाबलों ने मुंहतोड़ जवाब देते हुए उन्हें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। इसमें बताया गया कि भागते समय आतंकवादियों ने बारूद से भरी एक गाड़ी चौकी की बाहरी दीवार से टकरा दी।

इस जोरदार विस्फोट से 15 कर्मियों की मौत हो गई और इमारत को भारी नुकसान पहुंचा। कार्रवाई के दौरान सुरक्षाबलों ने भाग रहे आतंकवादियों का पीछा किया और 12 को मार गिराया। आईएसपीआर ने बताया कि इलाके में बचे हुए आतंकियों का सफाया करने के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

पाकिस्तान को बड़ा झटका! पीठ की चोट के कारण टेस्ट सीरीज से बाहर हुए अब्दुल्ला फजल

वेस्ट इंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत से ठीक पहले पाकिस्तान क्रिकेट टीम को बेहद निराशाजनक खबर मिली है। टीम के 23 वर्षीय स्टार और उभरते हुए युवा बल्लेबाज अब्दुल्ला फजल पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण वेस्ट इंडीज और आगामी इंग्लैंड टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अनुसार, फजल को यह चोट तारोबा स्थित ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में ट्रेनिंग सेशन के दौरान लगी। उन्हें तारोबा में ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में ट्रेनिंग के दौरान चोट लगी। इसके अलावा, अभी तक किसी रिप्लेसमेंट की घोषणा नहीं की गई है। यह ध्यान देने वाली बात है कि 23 साल की उम्र में, फजल पाकिस्तान क्रिकेट के लिए सबसे बड़े उभरते हुए खिलाड़ियों में से एक बनकर उभरे हैं। वह अपने डेब्यू टेस्ट में पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, जिन्होंने दोनों पारियों में अध शतक लगाए। इसके अलावा, वेस्ट इंडीज के खिलाफ पाकिस्तान के हालिया दौरे में, अब्दुल्ला फजल ने दो पारियों में 50 और 48 रन बनाए और एक बार फिर अच्छा प्रदर्शन किया। इसके अलावा, उनकी चोट से अवैस जफर के लिए

रास्ता खुल सकता है, जो पाकिस्तान के लिए अपना डेब्यू कर सकते हैं। PCB के बयान में फजल की चोट के सटीक कारण का जिक्र नहीं किया गया।

बाबर आजम ने फजल के ठीक होने की कामना की: चोट के बाद, पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान बाबर आजम ने फजल के ठीक होने की कामना की। उन्होंने उन्हें देश के सबसे बड़े उभरते हुए टैलेंट में से एक बताया।

ESPN के अनुसार बाबर आजम ने कहा, मैं अब्दुल्ला को शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कि वह जल्द ठीक हो जाएं।

उनमें जिस तरह का टैलेंट है, वह मुझे बहुत प्रेरणादायक लगा। अपनी पहली सीरीज के बाद वह बहुत आत्मविश्वास से भरे हुए थे और उनका मनोबल बहुत ऊंचा था। PCB के बयान में कहा गया, "MRI स्कैन और क्लिनिकल जांच के बाद, टीम के मेडिकल पैनल ने पुष्टि की कि अब्दुल्ला को रिहैबिलिटेशन की जरूरत होगी और इसलिए उन्हें दोनों असाइनमेंट से बाहर कर दिया गया है। वेस्ट इंडीज टेस्ट सीरीज के बाकी मैचों के लिए उनके रिप्लेसमेंट के बारे में फैसला, अगर जरूरत पड़ी तो, सही समय पर घोषित किया जाएगा। फजल की अनुपस्थिति में, यह देखना दिलचस्प होगा कि वेस्ट इंडीज के खिलाफ मुकाबले में पाकिस्तान कैसा प्रदर्शन करता है, क्योंकि दोनों टीमें 25 जुलाई से तारोबा में पहले टेस्ट के लिए आमने–सामने होंगी।

आवास से वंचित परिवार आवेदन करे 30 तक

जौनपुर। मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत अब भी आवास से वंचित पात्र परिवारों को लाभ दिलाने के लिए जिला प्रशासन ने विशेष अपील जारी की है। परियोजना निदेशक के.के. पाण्डेय ने बताया कि जनपद में विशेष अभियान चलाकर अधिकांश पात्र परिवारों को योजना से आच्छादित किया जा चुका है। इसके बावजूद यदि कोई पात्र परिवार अभी तक योजना का लाभ नहीं पा सका है, तो वह 30 जुलाई 2026 तक अपने संबंधित विकासखंड के खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) को आवेदन पत्र प्रस्तुत करे।उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत आवासविहीन दिव्यांगजन, निराश्रित महिलाएं (18 से 50 वर्ष आयु वर्ग), मुसहर समुदाय, एसिड अटैक पीड़ित आवासहीन व्यक्ति तथा दैवीय आपदा से प्रभावित परिवार पात्रता के अनुसार आवेदन कर सकते हैं।परियोजना निदेशक ने यह भी कहा कि यदि किसी विकासखंड में नियमानुसार आवेदन पर कार्रवाई नहीं की जाती है, तो संबंधि त आवेदक परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, जौनपुर के व्हाट्सएप नंबर 9454465260 पर आवेदन की प्रति, मोबाइल नंबर और आवास के फोटोग्राफ भेजकर शिकायत दर्ज करा सकते हैं, ताकि आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

आंगनबाड़ी कार्यकत्री पर जानलेवा हमले से साथी नाराज

फतेहपुर। महिला आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ उत्तर प्रदेश ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर आंगनबाड़ी कार्यकत्री पर हुए जानलेवा हमले के आरोपित की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि 24 घंटे के भीतर कार्रवाई नहीं हुई तो जिलेभर की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां हड़ताल पर चली जाएंगी और पुलिस कार्यालय के सामने धरना–प्रदर्शन करेंगी। संघ की जिलाध्यक्ष रेहाना परवीन, जिला महामंत्री संगीता द्विवेदी एवं जिला उपाध्यक्ष विमला देवी की अगुवई में नाराज कार्यकत्रियों ने एसपी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि 21 जुलाई को कल्याणपुर थाना क्षेत्र के पिलखिनी गांव निवासी आंगनबाड़ी कार्यकत्री पूनम देवी पर गांव के ही एक व्यक्ति ने ईंट से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमले में उनके सिर, हाथ और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं, जबकि एक हाथ की तीन जगह हड्डी टूटने की बात भी कही गई है। घायल कार्यकर्ता का उपचार सरकारी अस्पताल में जारी है। ज्ञापन में बताया गया है कि घटना के संबंध में थाना कल्याणपुर में मुकदमा संख्या 272/2026, धारा 109, 115, 352 एवं 351(3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज है, लेकिन अब तक आरोपित की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इसे लेकर आंगनबाड़ी कर्मचारियों में रोष व्याप्त है।

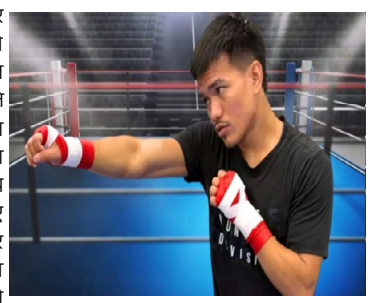

वजन की चुनौती छोड़ रिंग में जदुमणि सिंह का जलवा, एरॉन कुलेन को हराकर प्री–क्वार्टर फाइनल में प्रवेश

भारत के उभरते हुए युवा मुक्केबाज जदुमणि सिंह ने पुरुष 55 किलोग्राम वर्ग में मेजबान स्कॉटलैंड के एरॉन कुलेन को एकतरफा अंदाज में हराकर प्री–क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। हर मुकाबले से पहले करीब 10 किलोग्राम वजन घटाने की मजबूरी से मुक्त होने के बाद जदुमणि पहले से कहीं अधिक आत्मविश्वास से भरे नजर आए। घरेलू दर्शकों के जबरदस्त समर्थन के बीच खेल रहे कुलेन के खिलाफ जदुमणि तकनीकी और रणनीतिक दोनों ही स्तर पर बेहतर साबित हुए। उन्होंने सर्वसम्मत निर्णय से जीत दर्ज की और अब अगले दौर में उनका सामना पाकिस्तान के सुमामा रहमान से होगा। राष्ट्रीय चौंपियन जदुमणि के लिए लंबे समय तक हर टूर्नामेंट की शुरुआत रिंग में उतरने से पहले ही कठिन चुनौती से होती थी। पुरुष 50 किलोग्राम वर्ग में खेलने के लिए उन्हें लगभग 10 किलोग्राम

वजन कम करना पड़ता था, जिससे उनकी ताकत, रिकवरी और मानसिक संतुलन पर असर पड़ता था। 55 किलोग्राम वर्ग में आने के बाद हालांकिउनकी स्थिति पूरी तरह बदल गई है। जदुमणि ने 'पीटीआई' से कहा था, ''मुझे पूरा भरोसा था कि मैं 55 किलोग्राम वर्ग में अच्छा प्रदर्शन कर सकता हूं। इस वर्ग में अब दो–तीन प्रतियोगिताएं खेल चुका हूं और राष्ट्रीय चैंपियन भी बना हूं। अब मैं पहले से ज्यादा सहज और बेहतर महसूस करता हूं।'' उनका यही आत्मविश्वास मुकाबले की पहली घंटी बजते ही दिखाई दिया। कद में लंबेकुलेन के खिलाफ जदुमणि ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने लगातार सटीक जैब और तेज पंचों के संयोजन से स्कॉटिश मुक्केबाज की लंबी पहुंच का प्रभाव खत्म कर दिया और पहले राउंड में स्पष्ट बढ़त बना ली। दूसरे राउंड में घरेलू दर्शकों के उत्साहवर्धन के बीच कुलेन ने वापसी की कोशिश की, लेकिन जदुमणि ने संयम नहीं खोया। उन्होंने शानदार काउंटर पंच और बेहतरीन फुटवर्क के दम पर प्रतिद्वंद्वी को लगातार बैकफुट पर बनाए रखा। अंतिम राउंड में भी भारतीय मुक्केबाज ने अपना दबदबा कायम रखा और मुकाबले के नतीजे को लेकर कोई संदेह नहीं छोड़ा। पांचों जज ने सर्वसम्मति से जदुमणि के पक्ष में फैसला सुनाया। राष्ट्रमंडल खेलों में जदुमणि के अभियान की यह दमदार शुरुआत इस बात का संकेत है कि वजन वर्ग बदलने के बाद वह पहले से अधिक मजबूत, आत्मविश्वासी और प्रभावशाली मुक्केबाज बनकर उभरे हैं।

उद्योग, व्यापार तथा श्रम बन्धुओं द्वारा अवगत कराये गये समस्याओं का समय से करें समाधान–सीडीओ

दैनिक बंद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के मुख्य विकास अधिकारी दयानंद प्रसाद की

अध्यक्षता में उद्योग बन्धु,श्रम बन्धु व व्यापार बन्धुओं की बैठक जिला पंचायत सभागार में आयोजित की गई।उद्योग बन्धु की बैठक में सर्वप्रथम पिछले कार्यवृत्ति की अनुपालन स्थिति जानी गयी। सीडीओ ने उद्यमियों की समस्याओं से अवगत होते हुए संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र निस्तारण हेतु निर्देश दिए। बैठक में उपायुक्त उद्योग के स्तर से आवेदनकर्ता की पात्रता व सभी संबंधित औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाद अधिकारियों को अग्रसारित किया जाय।सभी लंबित प्रकरणों को शीघ्र निस्तारण हेतु विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया जाय।बैठक में सीडीओ ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि उद्योग बंधुओं एवं व्यापार बन्धुओं व श्रम बन्धुओं की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण समाधान समय से करना सुनिश्चित करें। बैठक में उद्योग व अन्य विभाग के अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा है कि व्यापार बन्धुओं व उद्योग बन्धुओं के व्यापार में अपेक्षित सहयोग करना सुनिश्चित करें।बैठक में व्यापारियों ने अपने–अपने सुझाव दिये जिस पर सीडीओ ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी अधिकारी मिलकर समस्या का समय से समाधान करायें।बैठक में नगर मजिस्ट्रेट पंकज वर्मा, एलडीएम विनोद तिवारी,आयकर विभाग के अधिकारीगण, उद्यमी मित्र संदीप द्विवेदी सहित उद्योग, व्यापार,श्रम बन्धु के पदाधिकारीगण अन्य सभी सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

खेलों से होता है मानसिक विकास–मेजर राजेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के श्री गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज रेलवे

कॉलोनी बड़गांव में शासन एवं जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ रामचंद्र के निर्देशानुसार विद्यालय परिसर में खेल दिवस मनाया गया।इस सम्बन्ध में प्रधानाचार्य ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक शनिवार को खेल दिवस मनाया जाएगा जिसमें सभी छात्र–छात्राएं एवं शिक्षक खेल परिधान में उपस्थित होंगे।इसी क्रम में प्रार्थना सभा में खेल के महत्व के बारे में विस्तृत रूप से व्याख्या की गई। आगामी तिथियों के लिए होने वाली खेलों की जूनियर एवं सीनियर वर्ग की टीम में तैयार की गई। प्रतियोगिताओं हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए साथ ही फील्ड भी तैयार की गई।आज संपन्न हुए वॉलीबॉल मैच में जूनियर वर्ग की टीम विजय घोषित हुई। शिक्षकों में युवा वर्ग की टीम को हराते हुए सीनियर वर्ग की टीम विजयी घोषित हुई।छात्रों के साथ शिक्षकों ने भी प्रतियोगिता में भाग लिया और छात्रों का उत्साह वर्धन किया।खेल की कमेंट्री गिरजा शंकर मिश्रा द्वारा किया गया। खेल प्रभारी बंशीधर एवं सुरेंद्र कुमार ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि खेल जीवन का आवश्यक अंग है। प्रधानाचार्य मेजर राजेश द्विवेदी सहित संतोष कुमार, रामनारायण उपाध्याय, रोशन लाल, रामचंद्र पांडेय,अनिल सिंह, जगदीश त्रिपाठी, कमला मौर्या अन्य शिक्षक शिक्षिकाएं ने सभी खेलों को संपन्न कराया।

एएसपी ने इकौना व नवीन मॉडर्न थाने का अर्दली रूम कर लंबित मामलों की समीक्षा की

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। जनपद में कानून–व्यवस्था को और अधिक प्रभावी

बनाने के उद्देश्य से शनिवार को अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश सिंह ने थाना इकौना एवं नवीन मॉडर्न पुलिस थाना में अर्दली रूम आयोजित कर थाना प्रभारियों एवं विवेचकों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान लंबित विवेचनाओं एवं प्रार्थना पत्रों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। अपर पुलिस अधीक्षक ने सभी विवेचकों को निर्देशित किया कि प्रत्येक मामले का शीघ्र, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि न्यायिक प्रक्रिया में तेजी आए और आमजन को समयबद्ध न्याय मिल सके। समीक्षा के दौरान गैंगस्टर अधिनियम के लंबित अभियोगों में धारा 14(1) के अंतर्गत की गई कार्रवाई, गुण्डा अधिनियम के तहत जिलाबदर की कार्रवाई, साइबर पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण, ऑनलाइन प्राप्त प्रार्थना पत्रों तथा ऑपरेशन क्लीन, ऑपरेशन दहन एवं ऑपरेशन त्रिनेत्र के अंतर्गत की गई कार्रवाई का भी अवलोकन किया गया। इसके अलावा पुरस्कार घोषित एवं वांछित अभियुक्तों की गिरतारी, एनबीडब्ल्यू (गैर जमानती वारंट) एवं बीडब्ल्यू (जमानती वारंट) की तामीला की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि लंबित मामलों का त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में थाना प्रभारी सहित सभी विवेचक उपस्थित रहे।

विष्णुदत्त ओझा के 15वीं पुण्यतिथि पर 166 ने किया रक्तदान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। जन सरोकारों के प्रति समर्पित विष्णुदत्त ओझा के 15 वीं पुण्यतिथि पर शनिवार को आचार्य रामचन्द्र शुक्ल पुस्तकालय एवं वाचनालय टाउन क्लब के परिसर में रक्तदान शिविर 'रक्तदान एक सामाजिक जिम्मेदारी' विषयक संगोष्ठी और सहभोज का आयोजन किया गया। यह जानकारी देते हुये विष्णुदत्त ओझा रक्तदान एवं जन सेवा समिति के संयोजक नन्दीश्वर दत्त ओझा ने बताया कि आस्था के बीच 166 लोगों द्वारा रक्तदान के साथ ही स्वर्गीय विष्णुदत्त ओझा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये स्मृतियों को साझा किया गया। रक्तदान शिविर के दौरान भावुक विष्णुदत्त ओझा रक्तदान एवं जन सेवा समिति के संयोजक नन्दीश्वर दत्त ओझा ने कहा कि आज स्वर्गीय विष्णुदत्त ओझा का भौतिक शरीर हमारे बीच नहीं है किन्तु उनका योगदान सदैव याद

किया जायेगा। गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ला प्रधान आर्य समाज ओमप्रकाश आर्य, भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, सुशील सिंह, गोपेश्वर त्रिपाठी, दयाशंकर मिश्र, अनुराग शुक्ल आदि ने कहा कि रक्तदान केवल एक चिकित्कसीय आवश्यकता नहीं, यह मानवता के प्रति सभी स्वस्थ नागरिकों का नैतिक और सामाजिक उत्तरदायित्व है। स्वर्गीय विष्णुदत्त ओझा की स्मृति में रक्तदान करने वालों में रक्तदान करने वालों में विवेक चौबे अवधेश पाण्डेय, शरद कुमार शुक्ला, अभिषेक पाण्डेय, परमात्मा प्रसाद, संतोष कुमार सिंह, मुरली मनोहर शुक्ला, ईश्वर चंद, अनिल अंबिकेश्वर दत्त ओझा, कौस्तुभ मिश्रा, आशीष कुमार शुक्ला, अजय चौहान, मानस त्रिपाठी, मुकुल शंकर, श्रीमती पूनम ओझा, अनुपमा ओझा, सर्वेश यादव, ध्रुव चंद्र यादव, आयुष ओझा, सूरज कुमार, अजय कुमार, शिवम सिंह, शाश्वत दुबे, गौरव शुक्ला, आशुतोष, अजीत पाण्डेय, संजय ओझा, .ष्ण कुमार, सौरभ श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, विवेक सिंह, अंसार अली, इंद्रपाल सिंह, जयप्रकाश मिश्रा, आशुतोष ओझा, मयंक शुक्ला, कनक जीत पाण्डेय, अभिषेक शुक्ला, पंकज कुमार, विकास तिवारी, सर्वेश त्रिपाठी, पंकज मिश्रा, श्रीकांत दुबे, शशांक पाण्डेय, अजीत श्रीवास्तव श्वेतांक दुबे, शिवांग शुक्ला, रवि चौबे, नंदीश्वर दत्त ओझा, दिव्यांश खरे, अनूप खरे, नितेश कुमार, दीपक यादव, अवनीश मिश्रा, आदित्य प्रकाश, आदर्श उपाध्याय, आर्यन वर्मा, अमर शुक्ला, ऋषभ, मोहम्मद वासिफ, गंगा नाथ ओझा, आनंद गुप्ता, कमलेश यादव, अनिल कुमार श्रीवास्तव, रिया शुक्ला, अंकित शुक्ला, निमिष द्विवेदी, प्रदीप त्रिपाठी, अजय कुमार चौधरी, संतोष शुक्ला, अभिषेक शुक्ला, रतन सोनी, प्रियंक शुक्ला, दिनेश त्रिपाठी, धर्मेंद्र सोनकर, उत्कर्ष उपाध्याय, अमोद कुमार शुक्ला, अनिरुद्ध पाण्डेय, धर्मेंद्र कुमार, विजेंद्र कुमार, रवि शंकर दुबे, हर्ष गुप्ता सहित कुल 166 लोगों ने रक्तदान किया। स्वर्गीय विष्णुदत्त ओझा की स्मृति में आयोजित रक्तदान शिविर को सम्पन्न कराने में मेडिकल कालेज, जिला चिकित्सालय और बस्ती चौरीटेबल ब्लड बैंक, सेवा बलड बैंक के चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों के साथ ही रवि चौबे, विवेक प्रकाश सिंह, धर्मेन्द्र सोनकर, विक्रम सिंह कौशिक, संजय ओझा, अम्बिकेश्वर दत्त ओझा, अवधेश मुकेश, डी.पी. यादव, विजय कुमार शुक्ला, जितेन्द्र के साथ ही बड़ी संख्या में लोगों ने योगदान दिया।

संत रविदास जयंती पर भाजपा का समरसता संकल्प अभियान, मंदिरों में चलेगा स्वच्छता अभियान व निकलेगी भव्य कलश यात्रा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। संत शिरोमणि रविदास जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी जिलेभर में श्समरसता संकल्प अभियानश चलाएगी। अभियान के तहत रविदास मंदिरों एवं मठों में स्वच्छता अभियान, दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण तथा भव्य कलश यात्राओं का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में बुधवार को भाजपा जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र की अध्यक्षता में विशेष बैठक आयोजित हुई। बैठक का संचालन जिला महामंत्री एवं अभियान संयोजक अभिषेक कुमार ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने संत रविदास जी के प्रसिद्ध दोहे ष्ऐसा चाहूँ राज मैं, जहाँ मिलै सबन को अन्न।

छोट बड़ो सब सम बसै, रैदास रहै प्रसन्नष् उन्होंने कहा कि संत रविदास की वाणी सामाजिक समरसता, समानता और मानवता का संदेश देती है। उन्होंने बताया कि अभियान 29 जुलाई 2026 को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर शुरू होकर 20 फरवरी 2027 तक चलेगा। उन्होंने बताया कि अभियान के पहले दिन जिले के सभी रविदास मंदिरों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही संत रविदास जी के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन तथा प्रत्येक मंडल से रविदास मंदिर तक भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। वहीं 29 जुलाई से 14 अगस्त के बीच विभिन्न स्थानों पर भक्तिभाव एवं सामाजिक समरसता के वातावरण में कलश यात्रा और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि संत रविदास ने समाज को कर्मप्रधान जीवन का संदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यक्ति की महानता उसकी जाति या जन्म से नहीं, बल्कि उसके श्रेष्ठ कर्मों से तय होती है। ष्मन चंगा तो कठौती में गंगाष् जैसे उनके अमर संदेश आज भी समाज को आडंबरों से दूर रहकर सदाचार और पवित्रता का मार्ग दिखाते हैं। बैठक को पूर्व विधायक रवि सोनकर, ब्लॉक प्रमुख जटाशंकर शुक्ल, योगेंद्र सिंह, राकेश श्रीवास्तव, रामायण सिंह, दुष्यंत विक्रम सिंह, पुष्करादित्य सिंह, अंकुर वर्मा, प्रबल मालानी, अमृत कुमार वर्मा और प्रेम प्रकाश चौधरी समेत अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया। इस दौरान जिला संगठन के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वच्छता के संकल्प के साथ मैदान में उतरीं नगर पंचायत अध्यक्ष नीलम सिंह राना

.ऐतिहासिक सरोवर को 15 दिन में स्वच्छ बनाने का लक्ष्य

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। नगर पंचायत नगर में सिंह राना ने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि उन्होंने बताया कि प्रत्येक माह के अंतिम शनिवार को स्वच्छता हैं। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य पंचायत परिषद के प्रदेश

शनिवार को मासिक स्वच्छता अभियान पूरे उत्साह और जनसहभागिता के साथ आयोजित किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष नीलम सिंह राना के नेतृत्व में सुबह छह बजे से शुरू हुए अभियान में सैकड़ों सफाई कर्मियों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। अभियान के दौरान राजा उदय प्रताप नगर वार्ड स्थित ऐतिहासिक सरोवर के तट पर लगभग तीन घंटे तक व्यापक साफ सफाई की गई। स्वच्छता अभियान के दौरान अध्यक्ष नीलम 15 दिनों के भीतर ऐतिहासिक सरोवर को पूरी तरह स्वच्छ एवं सुंदर बनाने की कार्ययोजना तैयार कर उसे धरातल पर लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल अभियान नहीं, बल्कि स्वस्थ और बेहतर समाज की आधारशिला है। उन्होंने नगरवासियों से अपने घरों और आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने में सक्रिय सहयोग की अपील की। नीलम सिंह राना ने कहा कि नगर पंचायत नगर विकास कार्यों के साथ–साथ सामाजिक सरोकारों को भी प्राथमिकता दे रही है। अभियान, दूसरे मंगलवार को मासिक योग दिवस एवं वृद्धजन सम्मान समारोह, प्रत्येक सोमवार को जनता दर्शन तथा अंतिम रविवार को श्रीराम धाम निःशुल्क यात्रा का आयोजन नियमित रूप से किया जाता है। इसके अलावा मेधावी विद्यार्थियों के लिए अब्दुल कलाम स्मृति पुरस्कार योजना, जरूरतमंदों के लिए अध्यक्ष विवेकाधीन कोष, गरीब परिवारों के लिए निःशुल्क शव वाहन सेवा तथा संस्कार सहभागिता योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाएं भी संचालित की जा रही अध्यक्ष राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि ष्स्वच्छ नगर, स्वस्थ नागरिक और समृद्ध समाजष् का सपना जनसहयोग से ही साकार हो सकता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता देश सेवा का एक महत्वपूर्ण माध्यम है और प्रत्येक नागरिक को इसमें अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। अभियान में सभासद राज कुमार चौधरी, राम नारायन यादव, नगर पंचायत के कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वच्छता का संदेश दिया।

समाजवादियों ने वीरांगना फूलनदेवी को किया नमन: योगदान पर चर्चा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती । समाजवादी पार्टी द्वारा पूर्व सांसद वीरांगना फूलनदेवी को उनके पुण्य तिथि पर याद किया गया। सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव के संयोजन में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने फूलनदेवी के चित्र पर

पुष्पार्चन करने के साथ ही उनके योगदान पर चर्चा करते हुये नमन् किया। सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि फूलन देवी की कहानी समाज के पिछड़े, वंचित और दलित समाज के संघर्ष का इतिहास है। परिस्थितियों ने उन्हें डकैत बनने को मजबूर कर दिया और बेहमई जैसा काण्ड हुआ। सपा ने उन्हें अवसर देकर सांसद बनाया किन्तु नियति ने उन्हें हमसे छीन लिया। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। 25 जुलाई के दिन दिल्ली में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, विधायक कविन्द्र चौधरी 'अतुल, दयाशंकर मिश्र, आर.डी. निषाद, धीरसेन निषाद, रविकान्त निषाद, मो. सलीम, गुलाब सोनकर, जावेद पिण्डारी, मो. स्वालेह आदि ने कहा कि फूलन देवी का संघर्ष नारी शक्ति एवं सामाजिक न्याय का प्रतीक बन गया। वंचित समाज की महिला के साथ प्रभुत्ववादी ताकतों ने जो जघन्य अत्याचार और अपमान किया उससे उन्हें बागी का जीवन जीना पड़ा। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने फूलन देवी को सांसद का टिकट दिया। मीरजापुर संसदीय क्षेत्र की जनता ने अपार समर्थन से वे वर्ष 1996 में सांसद बनकर देश के उच्च सदन में पीड़ित, उपेक्षित, बेसहारा समाज की आवाज बनकर उभरीं। पूर्व सांसद वीरांगना फूलनदेवी को नमन् करने वालों में मुख्य रूप से कक्कू शुक्ल, अरविन्द सोनकर, भोला पाण्डेय, प्रशान्त यादव, अरविन्द यादव, रन बहादुर यादव, मो. उमर, बदलू हसन, रजवन्त यादव, अकबर अली, मधुबन यादव, आमिश खान, मो. युनूस आलम, अखिलेश यादव, दीपक आर्या, दिनेश तिवारी, बब्लू निषाद, राम सिंह यादव, अशोक कुमार यादव, हरेश्याम विश्वकर्मा, वीरेन्द्र यादव, आर.डी. गोस्वामी, राजेन्द्र चौरसिया, राजाराम यादव, जोखूलाल यादव, देवनाथ यादव, तूफानी यादव आदि शामिल रहे। कार्यक्रम के अंत में सपा विधायक आलमबदी आजमी के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त करते हुये श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।

एक महीने के अन्दर दूसरी वारदात किशोरी को आगवा करने का प्रयास,पांच लोग गिरफ्तार

दैनिक बंद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के कोतवाली देहात अन्तर्गत विशेष समुदाय के

युवको का लव जेहाद जारी है एक महीने के अन्दर दूसरी वारदात से लोगों इसकी चर्चा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 साल की किशोरी को अगवा कर रहे 5 विशेष समुदाय के युवकों को शोर मचाते ही ग्रामीणों ने दबोचा,किया पुलिस के हवाले गोन्डा के देहात कोतवाली क्षेत्र में 15 वर्षीय नाबालिग बालिका के कथित अपहरण की कोशिश का मामला सामने आया है।परिवार और ग्रामीणों की सतर्कता से पांच युवकों को मौके पर पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने पांचों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है।बालिका के भाई के मुताबिक, गुरुवार देर शाम उसकी बहन के मोबाइल पर एक युवक का फोन आया था,कॉल उसकी पत्नी ने उठाई।फोन करने वाले युवक ने मिलने की बात कही।आरोप है कि कुछ देर बाद एक युवक अपने साथी के साथ बाइक से पहुंचा और इसके बाद तीन अन्य युवक दूसरी बाइक से वहां आ गए।परिजनों का आरोप है कि पांचों ने मिलकर किशोरी को अगवा करने का प्रयास किया।शोर सुनकर परिवार के सदस्यों के साथ आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और पांचों युवकों को घेरकर पकड़ लिया।इसके बाद पुलिस को सूचना देकर आरोपियों को उसके हवाले कर दिया गया।बालिका के भाई ने दावा किया कि पकड़े गए युवकों ने पूछताछ के दौरान किशोरी को बेचने के इरादे से अपहरण करने की बात कही।हालांकि इस दावे और आरोपियों के कथित उद्देश्य की पुलिस जांच कर रही है।देहात कोतवाली के प्रभारी शमशेर बहादुर सिंह के मुताबिक,मामले में इटियाथोक थाना क्षेत्र के बैजपुर एकडंगा निवासी शोयब, शोयब खान, मुजीब, उमेर,अब्दुल अजीज और धर्मेई गांव निवासी जीशान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। उपलब्ध विवरण में आरोपियों की संख्या पांच बताई गई है, जबकि नाम छह दिए गए हैं; इस विसंगति की आधिकारिक पुष्टि अपेक्षित है।पुलिस का कहना है कि गिरतार आरोपियों को जेल भेज दिया गया है और मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

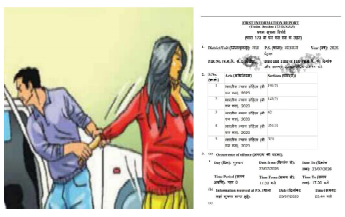

एसडीएम जूस पिलाकर एकदिवसीय धरना समापन कराया, पीएम के नाम सौपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनौली/महराजगंज। सोनौली मे शुक्रवार को उस समय जनहित

और राष्ट्रीय मुद्दों की आवाज़ से गूंज उठा, जब हिन्दू धर्म गौशाला एवं भारतीय जनता पार्टी नौतनवा–सोनौली से जुड़े पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने विभिन्न मांगों को लेकर एक दिवसीय शांतिपूर्ण धरना–प्रदर्शन किया। धरने के समापन पर उपजिलाधिकारी (एसडीएम) नौतनवा ने प्रदर्शनकारियों से वार्ता कर उनकी मांगों से संबंधित ज्ञापन प्राप्त किया और शासन तक पहुंचाने का आश्वासन दिया, जिसके बाद धरना समाप्त कर दिया गया। धरना कार्यक्रम में वक्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा किए गए विभिन्न विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि कुछ महत्वपूर्ण राष्ट्रीय एवं सामाजिक मुद्दों पर भी सरकार को ठोस निर्णय लेने की आवश्यकता है। धरने के बाद प्रधानमंत्री के नाम सौंपे गए ज्ञापन में प्रदर्शनकारियों ने तीन प्रमुख मांगें उठाईं. पेपर लीक पर सख्त कानूनरू छम्म्ज सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक कराने वाले शिक्षा माफियाओं की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए तथा कड़ी सजा का प्रावधान किया जाए। सोनम वांगचुक एवं अभिजीत दिपके के मुद्दों पर निर्णयरू प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों की निष्पक्ष जांच कर उचित पाए जाने पर सरकार वार्ता के माध्यम से समाधान निकाले, अन्यथा कानून के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। घायलों को आर्थिक सहायतारू आंदोलनों अथवा अन्य घटनाओं में घायल छात्र–छात्राओं और प्रशासनिक अधिकारियों को सरकार की ओर से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। धरना–प्रदर्शन में ओमप्रकाश वर्मा, नगर पंचायत सोनौली के मनोनीत सभासद प्रेम जायसवाल, धर्मेन्द्र जायसवाल, प्रेमनाथ सिंह, नन्हे जायसवाल, सुभाष जायसवाल, राजू जायसवाल, संजीव जायसवाल तथा बिसुनदेव चौरसिया सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। धरना कर रहे लोगो के पास एसडीएम नौतनवा स्वयं धरनास्थल पहुंचे और प्रतिनिधिमंडल से वार्ता की। उन्होंने जूस पिलाकर धरना समापन कराया व आश्वासन दिया कि सभी मांगों को शासन एवं केंद्र सरकार तक भेजा जाएगा। प्रशासन के आश्वासन के बाद प्रदर्शनकारियों ने अपना एकदिवसीय धरना शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त कर दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रशासन की निगरानी में कानून–व्यवस्था पूरी तरह सामान्य रही और धरना शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

लूट की घटना का पुलिस ने किया सफल अनावरण पुलिस मुठभेड़ में शातिर लुटेरा घायल, एक अन्य अभियुक्त गिरतार

दैनिकं बुद्ध का संदेश

सोनभद्र । वादी कुलधीर कुमार पुत्र स्व0 सीताराम निवासी ग्राम चपकी थाना बभनी जनपद सोनभद्र द्वारा सूचना दी गई कि वह रघुनाथनगर (छत्तीसगढ़) साप्ताहिक बाजार से आभूषण विक्रय कर वापस लौट रहे थे। शाम करीब 06रू30 बजे शीशटोला जंगल थाना बभनी क्षेत्र में मोटरसाइकिल सवार तीन अज्ञात बदमाशों ने ओवरटेक कर उनकी मोटरसाइकिल रोक ली तथा चाकू से हमला कर सोने–चांदी के आभूषण एवं करीब घ्40,000/– नगद से भरा बैग लूटकर फरार हो गए। जिसके संबंध में थाना बभनी पर 'मु0अ0सं0–158/2026 धारा 309(6) बीएनएस' बनाम अज्ञात पंजी.त किया गया था, जिसकी विवेचना प्रभारी निरीक्षक बभनी द्वारा की जा रही थी। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' द्वारा अपराध की रोकथाम एवं वांछित/शातिर अपराधियों की गिरतारी हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ' ऋषभ रुणवाल' एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी ' विनय प्रभाकर साहनी' के कुशल पर्यवेक्षण में घटना के शीघ्र अनावरण एवं अभियुक्तों की गिरतारी हेतु विशेष टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा थाना बभनी एवं थाना म्योरपुर पुलिस के संयुक्त प्रयास से लगातार अथक कार्यवाही करते हुए लूट की घटना का सफल अनावरण किया गया। 25.07.2026 को प्रातः करीब 03रू27 बजे मुखबिर खास की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक बभनी श्री दिन्नू प्रसाद यादव मय पुलिस टीम एवं थानाध्यक्ष म्योरपुर श्री संतोष कुमार सिंह मय हमराही पुलिस बल के साथ

थाना बभनी क्षेत्रान्तर्गत शीशटोला जंगल में संदिग्ध व्यक्ति/वाहन की सघन चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान रघुनाथनगर (छत्तीसगढ़) की ओर से एक मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध व्यक्ति आते दिखाई दिए। पुलिस टीम द्वारा रोकने का प्रयास करने पर अभियुक्त मोटरसाइकिल की गति बढ़ाकर मगरमाड़ तिराहे की ओर भागने लगे। पुलिस टीम द्वारा पीछा करने पर मगरमाड़ तिराहे से करीब 100 मीटर आगे मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई। अभियुक्त झाड़ियों की ओर भागने लगे, जिन्हें पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर रोकने का प्रयास किया गया। इसी दौरान अभियुक्तों द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की गई। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की गई, जिसमें 'अभियुक्त रमेश साकेत पुत्र बवई साकेत' निवासी कनई थाना बरगवां जनपद सिंगरौली (मध्य प्रदेश), उम्र करीब 34 वर्ष के दाहिने पैर में गोली लगने से घायल/गिरतार हो गया तथा उसके साथी 'मनोज साकेत पुत्र रामजी साकेत' निवासी बड़ोखर थाना बरगवां जनपद सिंगरौली (मध्य प्रदेश), उम्र करीब 30 वर्ष को मौके से 03रू56 ।ड पर गिरतार कर लिया गया। तथा कब्जे से 01 अदद अवैध देशी तमंचा .315 बोर, 01 अदद जिंदा कारतूस .315 बोर, 02 अदद फायरशुदा खोखा कारतूस .315 बोर, 01 अदद पुलिस द्वारा फायर किया गया खोखा कारतूस 9 एमएम, 01 अदद मोटरसाइकिल पैशन प्रो0 काले रंग की नं0 ड्ब्66ड्ळ4630, कुल नगदी घ्12,200/– बरामद किया गया। 'उक्त गिरतारी व बरामदगी के आधार पर धारा 317(2), 109(1) बीएनएस एवं 3/25 आर्म्स एक्ट की बढोत्तरी की गई। अन्य दो वांछित अभियुक्तों की गिरतारी हेतु लगातार तलाश एवं संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है। गिरतार अभियुक्तों से पूछताछ में अभियुक्त रमेश साकेत द्वारा बताया गया कि उसने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर 18.07.2026 को शीशटोला जंगल में सर्राफा व्यापारी से लूट की घटना कारित की थी। अभियुक्त द्वारा बताया गया कि घटना की रैकी मनोज साकेत द्वारा की गई थी तथा लूट की रकम में हम चार साथियों को घ्10,000–घ्10,000 का हिस्सा मिला था। गिरतार अभियुक्तों से पूछताछ में घटना में संलिप्त अन्य साथियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई है, जिनकी गिरतारी हेतु पुलिस टीमों द्वारा लगातार तलाश एवं दबिश की कार्यवाही की जा रही है।

शक्तिनगर पुलिस की बड़ी सफलता: चोरी की घटना का सफल अनावरण, दो वांछित अभियुक्त गिरतार

दैनिकं बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) ' अनिल कुमार' के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी ' हर्ष पाण्डेय' के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक शक्तिनगर सत्येन्द्र कुमार राय' के नेतृत्व में संदिग्ध व्यक्ति/वस्तु/वाहन की चेकिंग एवं वांछित अभियुक्तों की गिरतारी हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान थाना शक्तिनगर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई। थाना शक्तिनगर पर पंजी.त 'मु0अ0सं0–85/2026, धारा 331(4), 305(), 317(2) बीएनएस' से संबंधित चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए दिनांक 25.07.2026 को वांछित अभियुक्त '(1) अजय कुमार पुत्र स्व0 चन्द्रदेव साह निवासी एम.जी.आर. बस्ती, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 21 वर्ष एवं (2) पिंटू उर्फ ननकी पुत्र इन्द्रेव साह निवासी एम.जी.आर. बस्ती, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 23 वर्ष' को गिरतार किया गया। गिरतारी के उपरांत अभियुक्तों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

सोनभद्र में खाद की पर्याप्त उपलब्धता, तकनीकी समस्या जल्द होगी दूर– डीएम

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। खरीफ सीजन में किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए जनपद की सहकारी समितियों और अधि. त खाद केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में यूरिया, डीएपी व एनपीके का भंडारण किया गया है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि सरकार किसानों को खाद के लिए भटकना न पड़े, इसके लिए सभी केंद्रों पर नियमित निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि जनपद में खरीफ सीजन के लिए 11,156 मीट्रिक टन यूरिया और 5,697 मीट्रिक टन फास्फेटिक उर्वरक वितरण का लक्ष्य है। जुलाई माह में 3,459 मीट्रिक टन यूरिया और 2,894 मीट्रिक टन फास्फेटिक वितरण के लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 3,315 मीट्रिक टन यूरिया तथा 3,605 मीट्रिक टन फास्फेटिक का वितरण किया जा चुका है। वर्तमान में बिक्री केंद्रों पर 1,168 मीट्रिक टन यूरिया और 1,553 मीट्रिक टन फास्फेटिक उपलब्ध है, जबकि पीसीएफ के पास 4,563 मीट्रिक टन यूरिया और 1,535 मीट्रिक टन फास्फेटिक का बफर स्टॉक मौजूद है। डीएम ने बताया कि खाद वितरण के दौरान कुछ स्थानों पर तकनीकी समस्या की सूचना मिली थी, जिसके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को तत्काल निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और सुचारु बनाए रखने के लिए सभी विभाग सतर्क रहें, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को सहकारी समितियों और उर्वरक विक्रेताओं का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि .त्रिम अभाव, कालाबाजारी या ओवररेटिंग की शिकायत मिलने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही किसानों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल अधि.त खाद केंद्रों से ही उर्वरक खरीदें।

मत्स्य विभाग की विभिन्न योजनाओं के लिए 31 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

दैनिकं बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सहायक निदेशक मत्स्य, सोनभद्र ने जनपद के इच्छुक मत्स्य पालकों एवं आमजन को सूचित किया है कि वित्तीय वर्ष 2026–27 में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। विभागीय पोर्टल दिनांक 16 जुलाई 2026 से 31 जुलाई 2026 तक आवेदन के लिए खुला रहेगा। उन्होंने बताया कि आवेदन मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, सघन मत्स्य पालन हेतु एरेशन सिस्टम स्थापना योजना, उत्तर प्रदेश मत्स्य पालक कल्याण कोष के अंतर्गत मोपेड विद आइस बॉक्स परियोजना, माता सुकेता महिला मत्स्य पालक सशक्तिकरण परियोजना के अंतर्गत श्रेणी–1, 2 एवं 3 के जलाशय वाले जनपदों में केज स्थापना, अन्तर्देशीय खारे जल क्षेत्रों में मत्स्यकी के विकास हेतु नये तालाब निर्माण एवं प्रथम वर्ष निवेश योजना, उत्तर प्रदेश में मोती संवर्धन योजना तथा विशिष्ट प्रजाति की मत्स्य हैचरी स्थापना योजना के लिए किए जा सकते हैं। विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध हैं सभी दिशा–निर्देश सहायक निदेशक मत्स्य ने बताया कि योजनाओं का विस्तृत विवरण, इकाई लागत, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक अभिलेख तथा अन्य दिशा–निर्देश विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध हैं। पूर्व वर्षों में जिन आवेदकों के आवेदन निरस्त हो गए थे अथवा प्रतीक्षारत हैं, वे भी पुनः ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यदि भविष्य में किसी योजना में संशोधन किया जाता है तो संशोधित प्रावधान स्वतः प्रभावी होंगे। अधिक जानकारी के लिए यहां करें संपर्क योजनाओं से संबंधित अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए इच्छुक व्यक्ति कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य, द्वितीय तल, विकास भवन, सोनभद्र में कार्यालय अवधि के दौरान संपर्क कर सकते हैं। सहायक निदेशक मत्स्य ने अधिक से अधिक पात्र मत्स्य पालकों एवं इच्छुक लाभार्थियों से समयावधि के भीतर ऑनलाइन आवेदन कर योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

जनपद के समस्त थानों पर आयोजित हुआ थाना समाधान दिवस

दैनिकं बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद सोनभद्र के समस्त थानों पर थाना समाधान

दिवसष का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों द्वारा अपने–अपने थाना क्षेत्रों में जनसुनवाई करते हुए फरियादियों की शिकायतें सुनी गईं तथा संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसी क्रम में क्षेत्राधिकारी घोरावल राजेश कुमार राय' द्वारा थाना घोरावल पर तथा क्षेत्राधिकारी ओबरा ' प्रभात राय' द्वारा थाना कोन पर 'थाना समाधान दिवस' आयोजित कर जनसुनवाई की गई। प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए उनके गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। थाना समाधान दिवस के दौरान प्राप्त अनेक शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष प्रकरणों के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। विशेष रूप से भूमि संबंधी विवादों का निस्तारण पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा आपसी समन्वय स्थापित करते हुए किए जाने पर बल दिया गया, जिससे फरियादियों को अनावश्यक रूप से विभिन्न कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें तथा प्रत्येक प्रकरण का पारदर्शी, निष्पक्ष एवं न्यायोचित निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके।

मिट्टी की कच्ची दीवार ढहने से हिंडालको कर्मचारी की मौत, परिवार में मचा कोहराम

दैनिक बुद्ध का संदेश

रेणुकूट /सोनभद्र। पिपरी थाना क्षेत्र के मुरलीगढ़ स्थित वार्ड नंबर 8 में शुक्रवार शाम करीब 6 बजे एक दर्दनाक हादसे में हिंडालको कर्मचारी की मिट्टी की कच्ची दीवार ढहने से मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, मुरलीगढ़ वार्ड नंबर 8 निवासी कुंदन सिंह (45) पुत्र भुवनेश्वर सिंह हिंडालको में कार्यरत थे। वह नाइट ड्यूटी पर जाने से पहले अपने घर में आराम कर रहे थे। इसी दौरान मकान की एकमात्र कच्ची मिट्टी की दीवार अचानक भरभराकर उनके ऊपर गिर गई। मकान का शेष हिस्सा पक्का बना हुआ है, केवल यही एक दीवार कच्ची थी। दीवार गिरने की तेज आवाज सुनकर पत्नी और बच्चे मौके पर पहुंचे। उन्होंने घबराहट के बीच अपने हाथों से मलबा हटाकर कुंदन सिंह को बाहर निकाला। इसके बाद पड़ोसियों की मदद से उन्हें तत्काल निजी वाहन से हिंडालको अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना इतनी अचानक हुई कि आसपास के अधिकांश लोगों को इसकी जानकारी भी नहीं हो सकी। देर रात शव को हिंडालको अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। रात अधिक होने के कारण आगे की कार्रवाई नहीं हो सकी। शनिवार सुबह घटना की सूचना फैलते ही मृतक के घर पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों की भीड़ जुट गई। परिजनों ने घटना की सूचना पिपरी थाना पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। फिलहाल शव हिंडालको अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया है। इस दर्दनाक हादसे से परिवार सहित पूरे मोहल्ले में शोक का माहौल है।

सोनभद्र में संचारी व दस्तक अभियान तेज, 4,843 बुखार मरीजों की पहचान

दैनिकं बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद में संचारी रोग नियंत्रण अभियान (1 जुलाई) और दस्तक अभियान (11 जुलाई) के तहत उच्च जोखिम वाले गांवों में विशेष सफाई, फॉगिंग और स्वास्थ्य सर्वेक्षण अभियान तेज कर दिया गया है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देश पर झाड़ियों की कटाई, नालियों की सफाई, हैंडपंपों की मरम्मत और जनजागरूकता कार्यक्रम लगातार चलाए जा रहे हैं। दस्तक अभियान के तहत घर–घर सर्वे में अब तक 4,843 बुखार पीड़ितों की पहचान की गई। 4,757 लोगों की मलेरिया जांच में 9 संक्रमित मिले, जबकि 528 आईएलआई, 172 संभावित टीबी और 119 डायरिया के मरीज भी चिन्हित किए गए। जिलाधिकारी ने समयबद्ध उपचार और स्वच्छता अभियान को पूरी गंभीरता से संचालित करने के निर्देश दिए हैं।

02 दिन से लापता छात्र सूचना मिलने के मात्र 03 घंटे में सकुशल बरामद, परिजनों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

दैनिकं बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। ष्सतर्क पुलिस . सुरक्षित बचपनष के संकल्प को

साकार करते हुए थाना ओबरा पुलिस ने अपनी त्वरित, संवेदनशील एवं तकनीकी कार्यशैली का परिचय देते हुए 02 दिन से लापता 14 वर्षीय छात्र को सूचना प्राप्त होने के मात्र 03 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया। 25.07.2026 को थाना ओबरा पर आवेदक '.ष्णा नन्द दूबे पुत्र हेशराम दूबे निवासी ग्राम कुलडोमरी, थाना अनपरा, जनपद सोनभद्र द्वारा सूचना दी गई कि उनका 14 वर्षीय पुत्र 'विनीत कुमार', जो चुनार (जनपद मीरजापुर) स्थित श्रीमती भागीरथी ट्रस्ट आदर्श विद्यालय में कक्षा–09 का छात्र है, 24.07.2026 को विद्यालय से घर के लिए निकला था, किन्तु घर नहीं पहुँचा। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना ओबरा पुलिस तत्काल सक्रिय हुई। पुलिस टीम द्वारा संभावित मार्गों एवं प्रमुख स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का गहन परीक्षण किया गया, उपलब्ध तकनीकी एवं इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का विश्लेषण किया गया तथा स्थानीय लोगों से समन्वय स्थापित कर सघन खोज अभियान चलाया गया। पुलिस की त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के परिणामस्वरूप सूचना प्राप्त होने के मात्र '03 घंटे' के भीतर बालक को सकुशल बरामद कर लिया गया। पूछताछ में बालक ने बताया कि रास्ता भटक जाने के कारण वह रात्रि में एक मंदिर के पुजारी के यहाँ रुक गया था। आवश्यक विधिक औपचारिकताएँ पूर्ण करने के उपरांत थाना ओबरा पुलिस द्वारा बालक को सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। अपने पुत्र को सुरक्षित पाकर परिजनों ने भावुक होकर थाना ओबरा पुलिस का आभार व्यक्त किया तथा पुलिस की त्वरित एवं मानवीय कार्यशैली की सराहना की।

श्रावण मास की तैयारियों का जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने किया स्थलीय निरीक्षण

दैनिकं बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। आगामी श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा को सकुशल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने आज ऐतिहासिक विजयगढ़ दुर्ग एवं रामसरोवर का स्थलीय निरीक्षण कर कांवड़िया श्रद्धालुओं के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को विजयगढ़ दुर्ग तक जाने वाली सीढ़ियों के ऊपर स्थित प्रवेश द्वार की आवश्यक मरम्मत शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को विजयगढ़ दुर्ग की सीढ़ियों से रामसरोवर तक पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था एवं नियमित साफ–सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। साथ ही अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत को निर्देशित किया कि रामसरोवर

से जल भरकर जिस लगभग 5 किलोमीटर लंबे मार्ग से कांवड़िया श्रद्धालु वापस अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान करेंगे, उस पूरे मार्ग पर समुचित लाइटिंग की व्यवस्था प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित कराई जाए, ताकि रात्रिकाल में भी श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। जिलाधिकारी ने कहा कि रामसरोवर आने वाले कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। प्रमुख स्थलों एवं मार्गों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, साफ–सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं समयबद्ध ढंग से उपलब्ध कराई जाएं। सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करें तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार एवं माननीय मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित, स्वच्छ एवं सुविधायुक्त वातावरण उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने संबंधित पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि विजयगढ़ दुर्ग, रामसरोवर एवं संपूर्ण कांवड़ मार्ग पर सुरक्षा के व्यापक एवं पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। प्रमुख स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी, संवेदनशील स्थानों पर विशेष चौकसी, रात्रिकालीन गश्त तथा प्रभावी यातायात प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था ऐसी हो कि प्रत्येक श्रद्धालु स्वयं को सुरक्षित महसूस करे तथा कांवड़ यात्रा पूरी तरह शांतिपूर्ण, व्यवस्थित एवं निर्बाध रूप से संपन्न हो। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) बगीश कुमार शुक्ल, जिला पंचायत राज अधिकारी नमित शरण, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, पुलिस विभाग के अधिकारीगण, संबंधित विभागों के अधिकारी तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

धान रोपाई के लिए पिंकअप में भूसे की तरह भरकर ले जा रहे मजदूर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। बभनी विकास खंड बभनी के छत्तीसगढ़ सीमावर्ती क्षेत्रों में धान रोपाई के लिए मजदूरों का परिवहन किया जा रहा । ग्रामीणों का आरोप है कि मजदुर और महिला श्रमिकों को भूसे की तरह भरकर छत्तीसगढ़ पहुंचाया जा रहा है।भूसे की तरह भरकर पिंक अप से हो रहे परिवहन को लेकर जिला प्रशासन चुप्पी साधे हुए हैं।ग्राम प्रधान डूमरहर राम प्रताप ने आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन की लापरवाही से बड़ी दुर्घटना घट सकती है माल वाहक पिंक अप वाहन से मजदूरों की ढुलाई पर परिवहन विभाग की चुप्पी भी बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है प्रधान ने जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक का ध्यान आ.ष्ट कराते हुए कार्यवाही की मांग की है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

बिग बॉस सीजन 20 वापसी को तैयार, शो के नए लोगो के साथ प्रोमो हुआ जारी

सलमान खान का लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस अपने 20वें सीजन के साथ लौट रहा है। लोगों का इंतजार खत्म करते हुए निर्माताओं ने शो का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। साथ में नया लोगो भी जारी किया है। बिग बॉस 19 की सफलता के बाद, नए सीजन के जरिए एक बार फिर सलमान होस्ट की कमान संभालते दिखेंगे। निर्माताओं ने इसकी प्रीमियर तारीख का खुलासा अभी नहीं किया है, लेकिन प्रोमो ने फैंस की उत्सुकता को बढ़ा दिया है।

जियोहॉटस्टार ने बिग बॉस सीजन 20 का प्रोमो जारी करते हुए नए लोगो का दीदार कराया है। इस बार बिग बॉस की आंख को रंग–बिरंगे जीवंत रंगों के साथ डिजाइन किया गया है।

साथ में कैप्शन दिया गया, 2 दशक बाद भी... यह अब भी सबसे आकर्षक है। बिग बॉस सीजन 20 जल्द आ रहा है।

इस घोषणा ने फैंस के बीच उत्साह का माहौल बना दिया है, जो नए सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

निर्माताओं ने हाल ही में ऐलान किया है कि मूल हिंदी बिग बॉस के अलावा, ये शो 6 भाषाओं के साथ सितंबर, 2026 में दस्तक देगा। इसमें तमिल, तेलुगु, मराठी, बांग्ला, मलयालम और कन्नड़ भाषा शामिल है।

जहां हिंदी सीजन को सलमान द्वारा होस्ट किया जाएगा, तो वहीं बांग्ला संस्करण को सौरव गांगुली, तमिल संस्करण को विजय सेतुपति, तेलुगु संस्करण को नागार्जुन, कन्नड़ व मलयालम संस्करण को किच्चा सुदीप और मोहनलाल द्वारा होस्ट होस्ट किया जाएगा।

बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होते ही छाई जन नायकन, पहले दिन हुई छप्परफाड़ कमाई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और अभिनेता थलापति विजय की फिल्म जन नायकन सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इसने 23 जुलाई को बॉक्स ऑफिस पर दस्तक दी और पहले ही दिन बंपर ओपनिंग लेकर तहलका मचा दिया है। एच विनोथ के निर्देशन में बनी ये एक राजनीतिक एक्शन ड्रामा है, जो 7 महीने की देरी से दर्शकों के बीच पहुंची है, इसलिए फिल्म का पहले दिन रिकॉर्डतोड़ कमाई होना लाजिमी था। आइए इसकी कमाई पर डालते हैं एक नजर।

सैकनिल्क से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक, विजय की फिल्म ने ओपनिंग डे पर कुल 41 करोड़ रुपये का शानदार कारोबार किया है।

इसमें सबसे बड़ा योगदान तमिल भाषा का है, जिसमें फिल्म ने 36.50 करोड़ रुपये जुटाए। तेलुगु भाषा से फिल्म का कलेक्शन 2.75 करोड़ रुपये रहा है, जबकि हिंदी पट्टी में इसने 1.75 करोड़ रुपये कमाए हैं। जन नायकन ने विश्वस्तर पर कुल 78.27 करोड़ रुपये (भारत में 48.27 करोड़, विदेशों में 30 करोड़) का ग्रॉस कलेक्शन किया है।

जन नायकन ने पहले दिन शानदार कारोबार किया है, लेकिन ये विजय की पिछली फिल्म लियो (करीब 142.03 करोड़) और जीओएटी (करीब 99.39 करोड़) का रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गई।

फिल्म में विजय के अलावा, पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, प्रकाश राज, प्रियामणि, ममिता बैजू समेत कई कलाकार शामिल हैं। इसे विजय के करियर की आखिरी फिल्म बताया जा रहा है, क्योंकि बतौर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री वह अब अपने राजनीतिक करियर पर पूरा ध्यान लगाना चाहते हैं।

ब्लैक लहंगे में जाह्नवी कपूर का कातिलाना अंदाज, डीप–नेक ब्लाउज ने लूटी महफिल

बॉलीवुड की यंग जनरेशन की सबसे चर्चित और फैशनेबल अभिनेत्रियों में से एक, जाह्नवी कपूर अपने लुक्स के साथ एक्सपेरिमेंट

करने से कभी पीछे नहीं हटतीं।

हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ ऐसी तस्वीरें साझा की हैं, जिन्हें देखकर फैंस की धड़कनें तेज हो गई हैं। इस बार जाह्नवी ने ऑल–ब्लैक एथनिक लुक चुना है, जिसमें उनका ग्लैमर और बोल्डनेस साफ झलक रही है।

जाह्नवी कपूर के इस लुक की सबसे बड़ी यूएसपी उनका खूबसूरत ब्लैक लहंगा है। उन्होंने एक डीप–नेकलाइन वाला ब्लाउज कैरी किया है, जिस पर चमकीले रंगों की बेहद बारीक और हैवी एम्ब्रॉयडरी की गई है। ब्लाउज के निचले हिस्से पर लगे रंग–बिरंगे लटकन उनके लुक को थोड़ा फंकी और अट्रैक्टिव टच दे रहे हैं।

इसके साथ ही, लहंगे के बॉर्डर पर की गई हेरिटेज कढ़ाई और लाल रंग की पाइपिंग उनके पूरे आउटफिट को शाही लुक दे रही है। साथ में ब्लैक शीयर दुपट्टा उनके इस स्टाइल को मुकम्मल कर रहा है।

तस्वीरों में जाह्नवी कपूर का कॉन्फिडेंस देखने लायक है। कभी वह कैमरे की तरफ देखकर अपनी नशीली आंखों से जादू बिखेर रही हैं, तो कभी साइड प्रोफाइल फ्लॉन्ट करते हुए कैंडिड पोज दे रही हैं। वह अपना परफेक्ट फिगर और एब्स फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं।

जाह्नवी ने न्यूड–ग्लॉसी मेकअप, सटल ब्लश और माथे छोटी सी लाल बिंदी के साथ अपना लुक कम्प्लीट किया है। जाह्नवी ने अपने बालों को वेवी रखते हुए खुला छोड़ा है, जो उनके कंधों पर बिखरकर उनके लुक को और भी सिडक्टिव बना रहे हैं।

ज्वेलरी की बात करें तो, उन्होंने कानों में बड़े झुमके, हाथों में मैचिंग भारी कंगन और नाक में एक छोटी सी नथ पहनी है, जो उनके इस एथनिक ग्लैमर को और अधिक निखार रही है।

फिल्म प्रहार–द उज्ज्वल निकम स्टोरी का दमदार टीजर जारी, कसाब के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ने आए राजकुमार राव

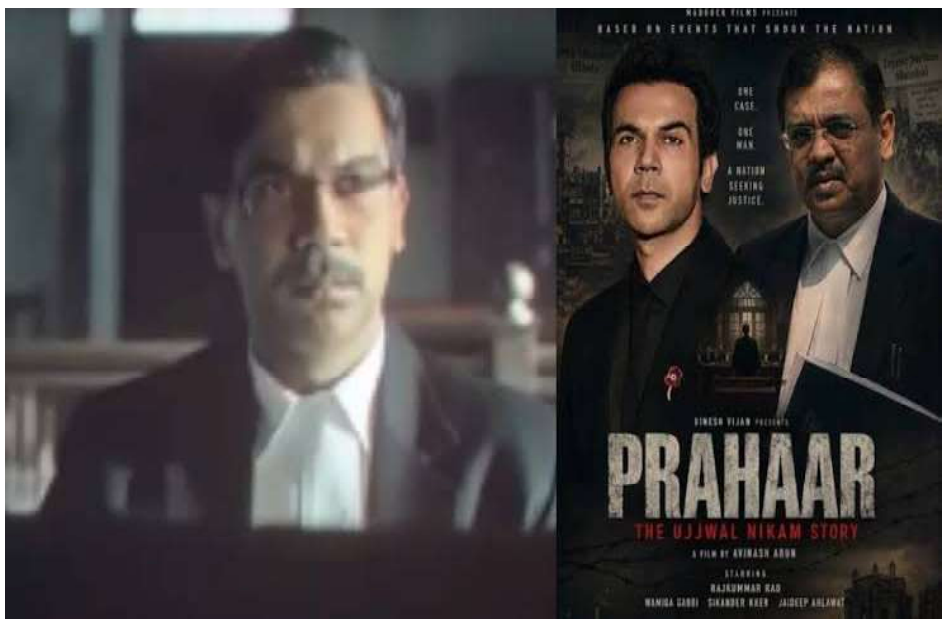

राजकुमार राव अपने करियर का सबसे अलग और चुनौतीपूर्ण किरदार लेकर दर्शकों के सामने आ चुके हैं। उनकी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म प्रहार– द उज्ज्वल निकम स्टोरी का दमदार टीजर जारी हो गया है। अविनाश अरुण द्वारा निर्देशित यह एक बायोग्राफिकल फिल्म है, जिसमें अभिनेता को भारत के जाने–माने वकील उज्ज्वल निकम के किरदार में नजर आए हैं। मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित प्रहार में वामिका गब्बी और जयदीप अहलावत भी मौजूद हैं। टीजर के साथ रिलीज तारीख भी आ गई है। टीजर की शुरुआत राजकुमार के किरदार उज्जव निकम से होती है, जो अदालत को 26ध्11 आतंकवादी हमले की याद दिलाकर अजमल कसाब को फांसी देने की मांग करते हैं। वकील का कोट पहने और मूछ लगाए अभिनेता का लुक अब तक का सबसे अलग और दमदार लगा है। वामिका उनकी पत्नी बनी हैं, जबकि जयदीप अन्य वकील के किरदार में हैं। सिकंदर खेर भी फिल्म का हिस्सा हैं। यह फिल्म 7 अगस्त, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। कोर्ट में उज्जवल निकम के किरदार में राजकुमार की दलीलें और एक्टिंग रोंगटे खड़ी कर देने वाली है। तर्क पेश करते हुए उनके चेहरे पर गुस्सा और आंखों में आंसू देखने वाले होते हैं। मूंछों वाला लुक राजकुमार राव पर फब रहा है। प्रहार का टीजर देख फैंस तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। एक फैन ने लिखा है, धुरंधर ने हमें 26ध्11 का टीजर दिखाया और प्रहार हमें इंसाफ के लिए लड़ी लड़ाई दिखाएगी। एक और कमेंट है, एकदम पीक, रोंगटे खड़े हो गए। एक बोला, बवाल काट दिया भाई। एक यूजर का कमेंट आया है, राजकुमार राव बहुत टाइम बाद अपने अवतार में आए हैं, दिल जीत लिया यार।

क्या खराब नींद से हाई ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ सकता है? जानिए

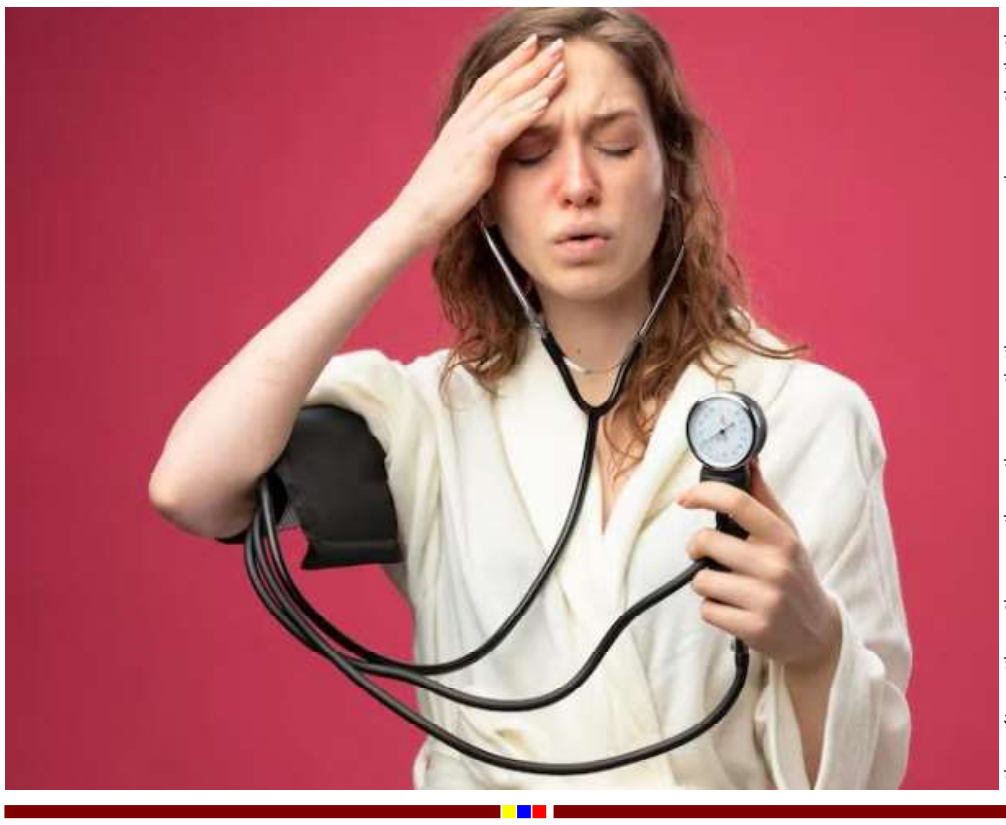

हाई ब्लड प्रेशर एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, जो दिल की बीमारियों और अन्य कई जटिलताओं का कारण बन सकती है। नींद की गुणवत्ता का हाई ब्लड प्रेशर पर गहरा असर पड़ता है। अगर आप रात को ठीक से सो नहीं पाते हैं तो इससे आपकी धड़कनें तेजी से चलने लगती हैं और आपका ब्लड प्रेशर भी बढ़ सकता है। आइए जानें कि सोने से पहले की गई गलतियां हाई ब्लड प्रेशर का कारण बन सकती हैं।

सोने से पहले भारी खाना खाना

सोने से पहले भारी खाना खाना एक आम गलती है, जिसे हमें सुधारने की जरूरत है। रात का खाना सोने से कम से कम 2–3 घंटे पहले कर लेना चाहिए।

भारी खाने से पेट पर दबाव पड़ता है, जिससे नींद खराब हो सकती है और ब्लड प्रेशर भी प्रभावित होता है।

इसके अलावा भारी खाने से एसिडिटी और पेट से जुड़ी अन्य समस्याएं भी हो सकती हैं, जो ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकती हैं।

चाय या कॉफी का सेवन करना

सोने से पहले चाय या कॉफी जैसे पेय पदार्थों का सेवन भी हाई ब्लड प्रेशर का कारण बन सकता है।

इनमें कैफीन होता है, जो नींद को प्रभावित कर सकता है और ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकता है। कैफीन से शरीर में उत्तेजना बढ़ती है, जिससे नींद आने में दिक्कत होती है और ब्लड प्रेशर भी अस्थिर हो सकता है। इसलिए रात को सोने से पहले कैफीन का सेवन न करें।

मोबाइल या टीवी का उपयोग करना

रात को सोने से पहले मोबाइल फोन, लैपटॉप या टीवी का उपयोग करना भी एक गलत आदत है। इन उपकरणों से निकलने वाली नीली रोशनी हमारी आंखों और दिमाग पर बुरा असर डालती है, जिससे नींद आने में कठिनाई होती है।

इसके अलावा रात में इनका उपयोग करने से हमारा दिमाग सक्रिय रहता है, जिससे ब्लड प्रेशर भी बढ़ सकता है। इसलिए सोने से पहले इनका उपयोग न करें।

तनावपूर्ण काम करना

सोने से पहले किसी भी प्रकार के तनावपूर्ण काम करना भी सही नहीं है। जैसे कि काम का बोझ या कोई गंभीर चर्चा करना इनसे बचना चाहिए। इनसे हमारा मन अशांत रहता है, जिससे नींद अच्छी नहीं आती और ब्लड प्रेशर भी प्रभावित होता है।

बेहतर होगा कि सोने से पहले कुछ हल्की–फुल्की गतिविधियां करें जैसे कि किताब पढ़ना या संगीत सुनना, जिससे मन शांत रहता है और नींद अच्छी आती है।

शराब का सेवन करनाः रात को शराब पीना भी एक गलत आदत है। भले ही कुछ लोग मानते हों कि शराब पीने से नींद जल्दी आ जाती है, लेकिन यह गलत है। शराब पीने से नींद अच्छी नहीं आती और बार–बार उठना पड़ता रहता है।

इसके अलावा शराब पीने से ब्लड प्रेशर अस्थिर हो सकता है। इसलिए रात को शराब पीने से बचना चाहिए और इसके बजाय पानी या हर्बल चाय पीनी चाहिए।